www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-25 अंक-349 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

आज का विचार

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ कमी जरूर रह जाती है ताकि वह यह समझ सके कि दुनिया मनुष्य नहीं ईश्वर चलाता है।

घर के बाहर खड़ी बाइक ले गए चोर

बैकुण्ठपुर सोमवार 16 जून, 2025

टेस्ट क्रिकेट: रविंद्र जडेजा का इंग्लैंड के खिलाफ कैसा रहा है प्रदर्शन? जानिए आंकड़े

श्रमिक परिवारों के सशक्तिकरण और उत्थान के लिए समर्पित है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

00 मुख्यमंत्री के हाथों 31 मेधावी श्रमिक बच्चों को मिली 2-2 लाख की प्रोत्साहन राशि
00 मुख्यमंत्री ने 38 हजार श्रमिकों के खातों में ऑनलाइन अंतरित किए 19.71 करोड़ की सहायता राशि

रायपुर। हम श्रमिक परिवारों के सशक्तिकरण और उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। आपका स्नेह और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और हम सब मिलकर एक विकसित, समृद्ध और सशक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करेंगे।" मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में आयोजित मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत कक्षा दसवीं और बारहवीं के टॉप 10 में स्थान पाने वाले पंजीकृत श्रमिकों के 31 मेधावी बच्चों को दो-दो लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का वितरण कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सम्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत राज्य के 38 हजार 200 निर्माण श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के तहत 19.71 करोड़ रुपए से ज्यादा की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री ने 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने वाले श्रमवीरों के मेधावी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी सरकार श्रमिक परिवारों की आवश्यकताओं को भली-भांति समझती है और उनके समग्र कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज श्रमिक परिवार का बच्चा विदेश जाकर पढ़ ले चाहे तो उसके लिए भी 50 लाख रुपए तक की सहायता का प्रावधान श्रम विभाग द्वारा किया गया है। श्री साय ने कहा कि हम नवाचार के साथ कदमताल करते हुए ऐसी नीतियां बना रहे हैं, जिनसे प्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मिले। प्रदेश की आकर्षक उद्योग नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि अब तक 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव राज्य सरकार को प्राप्त हो चुके हैं, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

श्री साय ने श्रम मंत्रालय में केंद्रीय राज्यमंत्री के रूप में अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि श्रमिकों से मेरा विशेष लगाव है और श्रमिकों के हित में कार्य करना हमेशा संतुष्टि देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रथम कार्यकाल में दो वर्षों तक श्रम मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली थी और उनके नेतृत्व में श्रम राज्यमंत्री के रूप में श्रमिकों के पेंशन सुधार की दिशा में हमने कई ऐतिहासिक कदम उठाए और न्यूनतम पेंशन की राशि सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्रमिकों को लेकर संवेदनशील है और उनके निर्देश पर ही श्रमिकों के प्रोविडेंट फंड में वर्षों से पड़ी लगभग 27 हजार करोड़ रुपए की अन्क्लेम्ड राशि का उपयोग उनके हित में करने का बड़ा निर्णय भी इस दौरान हमने लिया था। राज्यमंत्री के रूप में यूनिवर्सल पीएफ नंबर की शुरूआत हमारी सरकार ने की, जिससे श्रमिकों द्वारा बार-बार पीएफ राशि क्लेम करने की समस्या दूर हुई।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सभी से आग्रह करते हुए कहा कि श्रम विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी अन्य जरूरतमंदों तक अवश्य पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक श्रमिक इनका लाभ उठा सकें। उन्होंने श्रमिकों के लिए गर्म और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ ही प्रदेश में संचालित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की।

उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश चहुंमुखी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि इन डेढ़ वर्षों में "मोदी की गारंटी" के तहत सभी वादों को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि आज विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 38 हजार 2 सौ श्रमिकों को 19.71 करोड़ रुपये एवं प्रवीण्य सूची में चयनित 31 विद्यार्थियों को 62 लाख रुपये की राशि प्रदान की जा रही है। श्री देवांगन ने बताया कि शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के तहत 17 जिलों के 46 केन्द्रों में श्रमिकों को 5 रुपये में भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है और भविष्य में इसे सभी उद्योग प्रधान जिलों में लागू किया जाएगा। इसके साथ ही श्रमिकों के बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग सुविधा प्रारंभ करने की जानकारी भी दी।

श्रम मंत्री ने कहा कि नई उद्योग नीति के तहत उद्योगों की स्थापना के लिए नियमों को सरल बनाया गया है , जिससे निवेश बढ़ा है एवं युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सम्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. राम प्रताप सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के साथ प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। मण्डल के माध्यम से प्रदेश में 31 जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें नोनी सशक्तिकरण, महतारी जतन, श्रमिक सियान सहायता जैसी योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मण्डल प्रदेश के 29.47 लाख पंजीकृत श्रमिकों और उनके परिजनों को स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रहा है। श्रमिक अपना पंजीकरण ग्रमेव जयते ऐप, लोक सेवा केन्द्र या श्रम कार्यालय में करवा सकते हैं।

नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना ने बदली मजदूर परिवार के बच्चों की जिंदगी

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सामने मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना से लाभान्वित बच्चों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए आभार व्यक्त किया। सभी बच्चों ने कहा कि वे मजदूर और गरीब परिवारों से हैं, लेकिन इस योजना ने उन्हें पढ़ाई का अवसर दिया। वह योजना श्रमिक परिवारों के सपनों को नई उड़ान दे रही है। सूरजपुर जिले के भैयाथान के हीरा सिंह ने बताया कि आईआईआईटी से बी टेक की पढ़ाई पूरी कर अब जूनियर डेटा साइंस डेवलपर बन चुके हैं। इस योजना से उन्हें 4.10 लाख रुपए की सहायता मिली, जिससे उनकी पढ़ाई पूरी हो पाई थी। इसी तरह बी.टेक अंतिम वर्ष के छात्र अमलेंद्र पैंकरा ने बताया कि उनका परिवार मजदूरी कर जीवन यापन करता है और इस योजना की मदद से कॉलेज की फीस भर पा रहे हैं। एक अन्य छात्र दीपक पैंकरा ने सूरजपुर के छोटे से गांव से आईआईआईटी, रायपुर में एडमिशन तक के अपने संघर्ष भरे सफर को साझा किया। दीपक ने बताया कि योजना के माध्यम से अपने बीटेक की पढ़ाई की फीस भर रहे हैं और योजना से उन्हें लगभग 4 लाख रुपए की सहायता प्राप्त हो चुकी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी श्रमवीरों के बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

योजनाओं और उनके लाभार्थियों की संख्या और राशि का विवरण इस प्रकार है

मिनीमाता महतारी जतन योजना अंतर्गत 1,915 श्रमिकों को 3.83 करोड़ रूपए, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना अंतर्गत 279 श्रमिकों को 10.33 लाख रूपए, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना अंतर्गत 6,319 श्रमिकों को 2.19 करोड रूपए, मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना अंतर्गत 12 श्रमिकों को 94 हजार 800 रूपए, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत 4,825 श्रमिकों को 96.17 लाख रूपए, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना अंतर्गत 155 श्रमिक परिवार को 37.63 लाख रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना अंतर्गत 2 श्रमिकों को 40 हजार रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना अंतर्गत 4,939 श्रमिकों को 74.08 लाख रूपए, निर्माण श्रमिकों के बच्चे हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना अंतर्गत 1 श्रमिक को 50 हजार रूपए, दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना अंतर्गत 7 श्रमिकों को 7 लाख रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना अंतर्गत 264 श्रमिकों को 2.64 करोड रूपए, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना अंतर्गत 2,486 श्रमिकों को 4.97 करोड़ रूपए, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना अंतर्गत 372 श्रमिकों को 74.40 लाख रूपए, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निशुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशि योजना अंतर्गत 15,066 श्रमिकों को 2.00 करोड़ रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना अंतर्गत 25 श्रमिकों को 25 लाख रूपए प्रदाय किए गए। यह पहल राज्य के निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर श्रम विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. फरिहा आलम, प्रभारी श्रम आयुक्त श्री एस एल जांगड़े सहित श्रम विभाग के अधिकारी कर्मचारी और श्रमिक परिवारजन मौजूद रहे।

कुछ अलग

दिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव में गिरा 100 फीट लंबा मोबाइल टावर, बड़ा हादसा टला

नई दिल्ली,15 जून (ए)। राजधानी दिल्ली के सबसे पॉश इलाकों में से एक सफदरजंग एन्क्लेव के बी-2 ब्लॉक में रविवार तड़के तेज आंधी के चलते लगभग 100 फीट लंबा मोबाइल टावर गिर गया. हादसा करीब 4 बजे बजे हुआ, जब अधिकतर लोग अपने घरों में थे. गनीमत रही कि हादसे के वक्त सड़क पर कोई मौजूद नहीं था, वरना बड़ा नुकसान हो सकता था. स्थानीय लोगों ने कहा कि यह टावर बिना उनकी अनुमति के लगाया गया था. शुरूआत में उन्हें बताया गया कि स्ट्रीट लाइट लगाई जा रही है, लेकिन बाद में यहां मोबाइल टावर स्थापित कर दिया गया. टावर गिरने से इलाके में कई पेड़ और बिजली की तार क्षतिग्रस्त हो गई. यह टावर न लगे इसके लिए हमने विरोध भी जताया था, लेकिन हमें हटाने के लिए महिला पुलिस बुला ली गई. उन्होंने कहा कि अगर यह पोल दिन के समय गिरा होता तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी. उन्होंने कहा कि सुबह 9 बजे तक भी कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा, न ही टावर को हटाने की कोई कोशिश की गई. घटना की जानकारी मिलते ही मालवीय नगर से आम आदमी पार्टी नेता सोमनाथ भारती मौके पर पहुंचे. उन्होंने बीजेपी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली में सभी विभाग भाजपा के अधीन हैं, फिर भी ऐसे हादसे हो रहे हैं. स्थानीय लोगों ने टावर न लगने देने की काफी कोशिश की. बावजूद इसके यह टावर लगाया गया, जो लापरवाही का बड़ा उदाहरण है.

खरी-खरी

केदारनाथ धाम के पास हुआ बड़ा हादसा, 7 लोगों ने गंवाई जान

0 उत्तराखंड में केदानाथ धाम के पास हेलीकॉप्टर क्रैश
0 हादसे में अब तक सात लोगों ने गंवाई जान

उत्तराखंड अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद अब उत्तराखंड में केदानाथ धाम के पास हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। इस हादसे में सात लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि केदारनाथ से यात्रियों को लेकर लौट रहा एक हेलीकॉप्टर उत्तराखंड के गौरीकुंड क्षेत्र में लापता हो गया। इस हादसे के बाद एनडीआरएफ व एसडीआरएफ टीम घटनास्थल के लिए रवाना हो गई है। उत्तराखंड के एडीजी कानून एवं व्यवस्था डॉ. वी मुरुगेशन ने पहले बताया था कि हेलीकॉप्टर त्रिजुगीनारायण और गौरीकुंड के बीच लापता हो गया था। शुरूआती रिपोर्ट्स से पता चला है कि तकनीकी खराबी की वजह से फ्लाइट कंट्रोल जाम हो गया था। यह भी बताया जा रहा है कि लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर का रोटर ब्लेड टूट गया और पास में खड़ी एक कार से जा टकराया।

पायलट ने भी गंवाई जान

हेलीकाप्टर ने गुप्तकाशी से केदारनाथ के लिए सुबह सवा पांच बजे उड़ान भरी थी। केदारनाथ धाम में यात्रियों को उतारने के बाद वहां से अन्य यात्रियों को लेकर लौट रहा था। बताया जा रहा है कि हादसे में पायलट ने भी जान गंवाई है।

इस यात्रा सीजन में केदारघाटी में यह तीसरी घटना है। इससे पहले दो बार हैलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग करानी पड़ी थी। बदरीनाथ और गंगोत्री में भी इस सीजन में दो दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इस घटना से लोगों में दहशत फैल गई है, जबकि अधिकारियों ने खराबी के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

कोंडागांव जिले में 307.96 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा 11.38 किमी लंबा 4-लेन केशकाल बाईपास

00 डबल इंजन सरकार में तेजी से हो रहा है बस्तर का विकास: मुख्यमंत्री श्री साय
00 छत्तीसगढ़ में आवागमन होगा और सुगम: बस्तर अंचल को मिला बड़ा तोहफा
00 केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने ट्वीट कर दी जानकारी, मुख्यमंत्री ने आभार प्रकट करते हुए बस्तर के विकास के लिए बताया निर्णायक कदम

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा 307.96 करोड़ रुपए की लागत से पेव्ड शोल्डर मानक के साथ 4 लेन में केशकाल बाईपास निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने पर प्रदेशवासियों विशेषकर बस्तर अंचल की जनता की ओर से हार्दिक आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि यह बाईपास केशकाल घाट खंड में यातायात बाधाओं को दूर कर सुगम, सुरक्षित व निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार में तेजी से बस्तर अंचल का विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्वीकृति केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित विकास नीति का परिणाम है, जो बस्तर जैसे जनजातीय अंचल को मुख्यधारा से जोड़ ? की दिशा में एक और ठोस कदम है। इस ऐतिहासिक स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी की दूरदृष्टि और पहल के लिए आभार जताते हुए इसे बस्तर के विकास के लिए निर्णायक कदम बताया है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-43 (नया ह॥-30) पर केशकाल घाट खंड को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए 307.96 करोड़ रुपए की लागत से 11.380 किलोमीटर लंबा 4-लेन बाईपास निर्माण अपग्रेड की स्वीकृति दी गई है। यह बाईपास पेव्ड शोल्डर मानक के अनुरूप होगा और इसके बनने से बस्तर अंचल में कनेक्टिविटी को नया आयाम मिलेगा। यह परियोजना विशेष रूप से केशकाल घाट के कठिन भौगोलिक खंड को पार करने में सहूलियत प्रदान करेगी। बाईपास के निर्माण से न केवल वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा, बल्कि वाहन चालकों को तेज, सुगम और निर्बाध यात्रा का अनुभव भी मिलेगा। बाईपास निर्माण से शहरी क्षेत्रों में यातायात का दबाव कम होगा, जिससे स्थानीय नागरिकों को जाम और दुर्घटना की समस्या से राहत मिलेगी। इसके साथ ही प्रदूषण के स्तर में भी गिरावट आएगी, जिससे पर्यावरणीय संतुलन को भी बढ़ावा मिलेगा।

पुणे में इंद्रायणी नदी पर बना पुल ढहने से करीब 20 पर्यटक बहे, दो की मौत

पुणे। पुणे के कुंडमाला में रविवार दोपहर इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का पुल ढह गया। हादसे के समय पुल पर कई पर्यटक मौजूद थे, जिससे कुछ के डूबने की आशंका है। रेस्क्यू टीम ने अब तक तीन लोगों को सुरक्षित निकाल लिया है। एनडीआरएफ की टीमें मौके पर राहत-बचाव कार्य में जुटी हैं। इस क्षेत्र में मानसून के दौरान लोग घूमने के लिए आते हैं।

पुलिस ने जानकारी दी कि महाराष्ट्र के पुणे जिले में इंद्रायणी नदी पर लोहे का पुल बना था। वह रविवार की दोपहर को ढह गया। उस पर १५ से २० पर्यटक मौजूद थे, जो कि नदी में बह गए हैं। एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन कर रही, जिसमें तीन लोगों को नदी से बाहर सुरक्षित निकाल लिया है।

डीसीपी ने कहा- दो लोगों की हुई मौत

डीसीपी विशाल गायकवाड़ (जोन २, पिंपरी चिंचवाड़) ने बताया कि इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। हादसा दोपहर ३ बजकर ३० मिनट व ४ बजकर ३० मिनट के बीच में हुआ। झरने पर बने लोहे के पुल पर लोग खड़े होकर सेल्फी ले रहे थे। इसी दौरान वह ढह गया। ६ से ७ लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल में भेजा गया है।

स्थानीय विधायक ने की पर्यटकों की मौत की पुष्टि

स्थानीय विधायक सुनील शेलके ने अब तक ६ लोगों की मौत की पुष्टि की है, जिसमें कुछ बच्चे भी शामिल हैं। पुणे में बारिश अधिक होने की वजह से यहां का मौसम अच्छा हो गया था। वीकेंड पर लोग घूमने के लिए आए थे। इस दौरान कई लोग नदी के तेज बहाव को देखने के लिए खड़े थे।

पहला कालम

मदर मेरी अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर किया गया सील

कांकेर। जिला मुख्यालय में स्थित मदर मेरी अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर सील कर दिया गया । सप्ताह भर पहले यहां प्रसव के बाद महिला की मौत हो गई थी। जांच में पाया गया था कि साल 2019 के बाद से ही अस्पताल का लाइसेंस रिनीवल नहीं कराया गया है । शिकायत कांकेर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से भी की गई थी । स्वास्थ्य विभाग ने जांच करने के बाद गुरूवार रात्री 8 बजे अस्पताल को सील कर दिया गया ।

गौरतलब है कि जिले की गर्भवती महिला किरण टांडिया निवासी तालाकुर्रा को प्रसव पीड़ा उठने पर अलबेलापारा एमसीएच अस्पताल में 31 मई को भर्ती कराया गया।गर्भवती महिला व उसके बच्चे को खतरा बताकर वहां से बाहर रेफर कर दिया। परिजन उसे हायर सेंटर ले जाने के बजाए मदर मैरी अस्पताल ले आए । धमतरी से पहुंची महिला चिकित्सक ने गर्भवती महिला का आपरेशन कर प्रसव कराया था । महिला की तबीयत लगातार बिगड़ती गई और 9 जून की रात उसकी मौत हो गई, बच्चा स्वस्थ्य है। महिला के पति चंद्रकांत टांडिया ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते जांच व कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कमेटी बना जांच की। पाया गया कि मदर मैरी अस्पताल नर्सिंग होम एक्ट का पालन नहीं कर रहा है। कांकेंर सीएचएमओ ने आदेश जारी कर मदर मैरी अस्पताल का लाइसेंस रद्द करने के साथ ही अस्पताल को सील कर दिया गया।

मदर मेरी अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर किया गया सील

कांकेर। जिला मुख्यालय में स्थित मदर मेरी अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर सील कर दिया गया । सप्ताह भर पहले यहां प्रसव के बाद महिला की मौत हो गई थी। जांच में पाया गया था कि साल 2019 के बाद से ही अस्पताल का लाइसेंस रिनीवल नहीं कराया गया है । शिकायत कांकेर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से भी की गई थी । स्वास्थ्य विभाग ने जांच करने के बाद गुरूवार रात्री 8 बजे अस्पताल को सील कर दिया गया ।

गौरतलब है कि जिले की गर्भवती महिला किरण टांडिया निवासी तालाकुर्रा को प्रसव पीड़ा उठने पर अलबेलापारा एमसीएच अस्पताल में 31 मई को भर्ती कराया गया।गर्भवती महिला व उसके बच्चे को खतरा बताकर वहां से बाहर रेफर कर दिया। परिजन उसे हायर सेंटर ले जाने के बजाए मदर मैरी अस्पताल ले आए । धमतरी से पहुंची महिला चिकित्सक ने गर्भवती महिला का आपरेशन कर प्रसव कराया था । महिला की तबीयत लगातार बिगड़ती गई और 9 जून की रात उसकी मौत हो गई, बच्चा स्वस्थ्य है। महिला के पति चंद्रकांत टांडिया ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते जांच व कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कमेटी बना जांच की। पाया गया कि मदर मैरी अस्पताल नर्सिंग होम एक्ट का पालन नहीं कर रहा है। कांकेंर सीएचएमओ ने आदेश जारी कर मदर मैरी अस्पताल का लाइसेंस रद्द करने के साथ ही अस्पताल को सील कर दिया गया।

जनता को मूलभूत सुविधाएं समय पर गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता - उसेंडी

कोंडागांव। जिले की विधायक सुश्री लता उसेंडी ने शुक्रवार को सुबह 8:30 बजे नगर के विभिन्न वार्डो का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्डवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा क्षेत्र में जारी विकास एवं निर्माण कार्यो की स्थिति की जानकारी ली। इस निरीक्षण अभियान के तहत उन्होंने सड़क, नाली, पेयजल व्यवस्था और सफाई जैसे मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। सुश्री उसेंडी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए और समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण हों। निरीक्षण के दौरान सुश्री लता उसेंडी बंधा तालाब उद्यान भी पहुंचीं, जहां उन्होंने उद्यान में चल रहे सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यो का जायजा लिया। उन्होंने कार्य की गति और गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए स्थानीय अधिकारियों से निरंतर निगरानी रखने कहा है। विधायक सुश्री लता उसेंडी ने कहा कि जनता को मूलभूत सुविधाएं समय पर और अच्छी गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। इस दौरान पर नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी, सीएमओ दिनेश डे, अन्य जनप्रतिनिधि, पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

चलो जीत की चाल कैंपेन शुरू

बिलासपुर। भारत की रियल-मनी गेमिंग दुनिया में अब मजा और देसी तड़का दोनों आ गया है। हाइक के स्किल-बेस्ड कैजुअल गेमिंग प्लेट$फॉर्म रश ने अपना पहला ब्रांड कैंपेन चलो जीत की चाल लॉन्च किया है, जिसमें मशहूर अभिनेता और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक नजर आ रहे हैं। यह कैंपेन ह्यूमर, मेहनत और रोजमर्रा की जुगाड़ से भरपूर है, और उन तेज-दिमाग और फुतीर्ले खिलाडि ?ं को सेलिब्रेट करता है जो भारत में जिंदगी की चुनौतियों को गेम-जैसी जीत में बदल देते हैं। चलो जीत की चाल का मकसद है रोजमर्रा के उन चैंपियनों का जश्न मनाना, जो जिंदगी की उलझनों को हुनर, मेहनत और दिल से सुलझाते हैं, और हर चुनौती को जीत के मौके में बदल देते हैं।

बैडमिंटन खेलते समय घायल हुए विधायक यादव

दुर्ग। दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव बैडमिंटन खेलते समय घायल हो गए, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है और वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं। विधायक गजेंद्र यादव के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी लगते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा तत्काल अस्पताल पहुंचे और यादव का हालचाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों से उपचार की जानकारी ली और यादव के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

ईरान के खिलाफ इसराइल के हमलों का असल मकसद क्या वहां सत्ता परिवर्तन है

नई दिल्ली। शुक्रवार को इसराइल ने ईरान के खिलाफ यह कहते हुए बड़े हमलों को अंजाम दिया कि ईरान की परमाणु क्षमता से उसके और दुनिया के लिए अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है.लेकिन इसराइली प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू का इसके पीछे एक और बड़ा मकसद हो सकता है, वो है ईरान में सरकार बदलना.इस परिदृश्य में, नेतन्याहू ये उम्मीद कर सकते हैं कि उनके इन हमलों से प्रतिक्रिया की एक श्रृंखला शुरू हो जाएगी, जिससे अशांति पैदा होगी और ईरान में सरकार का पतन हो जाएगा.शुक्रवार शाम एक बयान में नेतन्याहू ने कहा कि "ईरान के लोगों के लिए समय आ गया है कि वो अपने झंडे (प्रतीक) और ऐतिहासिक विरासत को लेकर एकजुट हों, ताकि जालिम और दमनकारी शासन से अपनी आजादी पाने के लिए खड़े हो सकें.ईरान में कई लोग देश में अर्थव्यवस्था की स्थिति, अभिव्यक्ति की आजादी की कमी, महिला अधिकारों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर नाराज हैं.इसराइल के हमले ईरान के नेतृत्व के लिए एक वास्तविक खतरा पैदा कर रहे हैं.

इन हमलों में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के कमांडर, ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ और आईआरजीसी के कई आला अधिकारी मारे गए हैं.इसराइल के हमलों के जवाब में ईरान ने भी हमले किए. आईआरजीसी ने कहा कि उसने इसराइल में "दर्जनों ठिकानों, सैन्य अड्डों और एयरबेस" पर हमले किए हैं.लेकिन जवाबी हमलों के बाद हालात तेजी से बिगड़े और ईरान की कार्रवाई के जवाब में नेतन्याहू ने कहा, "अभी और भी हमले होने वाले हैं.माना जा रहा है कि ईरान के और नेताओं को भी निशाना बनाया जा सकता है.इसराइल को शायद ये लग रहा होगा कि ये हमले और हत्याएं ईरान में शासन को अस्थिर कर सकती हैं और वहां विद्रोह के लिए राह बना सकती हैं. कम से कम नेतन्याहू तो यही उम्मीद कर रहे होंगे.इस बात का कोई सबूत नहीं है कि ऐसी कोई श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया शुरू होगी, लेकिन यदि यह शुरू भी हो जाए, तो यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसी प्रक्रिया कहां तक पहुंचेगी.ईरान में सबसे ज्यादा ताकत उन लोगों के पास है जो सशस्त्र बलों और अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करते हैं. इसका ज्यादातर हिस्सा आईआरजीसी और कुछ अन्य अनिर्वाचित निकायों में कट्टरपंथियों के हाथों में है.उन्हें तख़्तापलट करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वो पहले से ही सत्ता में हैं और वो ईरान को अधिक टकराव की तरफ ले जा सकते हैं.एक और चीज ये हो सकती है कि ईरान में शासन का पतन हो जाए और उसके बाद अराजकता की स्थिति हो जाए.लगभग ९ करोड़ लोगों की आबादी वाले ईरान में होने वाली घटनाओं का व्यापक असर पूरे मध्य पूर्व पर पड़ेगा.ऐसा लगता है कि इसराइल चाहता है कि ईरान में एक विद्रोह हो और उसके बाद सत्ता ऐसी सरकार के हाथों में रहे जो उसके प्रति दोस्ताना रवैया रखे. लेकिन यहां एक बड़ा सवाल ये है कि विकल्प कौन हो सकता है?हाल के सालों में देखा गया है कि ईरान में विपक्षी ताकतें काफी बंटी हुई है और यहां नेतृत्व को लेकर कोई स्पष्ट विकल्प नहीं है.२०२२ में हुआ विद्रोह जिसे "वूमन लाइफ फ्रीडम" आंदोलन के नाम से जाना जाता है, तेजी से पूरे ईरान में फैल गया था. इसके बाद कुछ विपक्षी समूहों ने अलग-अलग इस्लाम विरोधी गणतांत्रिक गुटों और कार्यकताओं को साथ लेकर गठबंधन बनाने की कोशिश की थी.लेकिन गठबंधन का नेतृत्व कौन करेगा और सत्ता का तख़्तापलट होने के बाद नई सत्ता की रूपरेखा क्या होगी, इन मुद्दों को लेकर नजरियों में मतभेद के कारण ये गठबंधन अधिक दिनों तक टिक नहीं सका.इसराइल, ईरान में कुछ गुटों या लोगों को अपने पसंदीदा विकल्प के रूप में देख सकता है. जैसे- ईरान के पूर्व शाह के बेटे और पूर्व क्राउन प्रिंस रजा पहलवी. पूर्व शाह की सरकार को १९७९ की इस्लामी क्रांति ने गिरा दिया था.मौजूदा वक्त में वो निर्वासन में जीवन बिता रहे हैं और विदेशी घटकों को अपने समर्थन में लाने की कोशिश कर रहे हैं. हाल के वक्त में उन्होंने इसराइल का दौरा भी किया था.ईरान के कुछ लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता अभी भी है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इसे वो इतनी बड़ी ताकत में तब्दील कर सकेंगे कि देश में सत्ता परिवर्तन को अंजाम दे सकें.इसके अलावा मुजाहिद्दीन-ए-ख्लाक (एमईके) नाम का एक विपक्षी समूह भी है, जो मौजूदा वक्त में निर्वासन में है. ये समूह ईरान में इस्लामी सत्ता का तख्तापलट करने के पक्ष में है लेकिन राजशाही की तरफ जाने का समर्थन नहीं करता.वामपंथी मुस्लिम समूह के तौर पर बनाया गया ये समूह इससे पहले शाह का कट्टर विरोधी था.इस्लामी क्रांति के बाद, एमईके नाम का ये समूह इराक चला गया और १९८० के दशक की शुरूआत में ईरान के खिलाफ युद्ध के दौरान इराक के शासक सद्दाम हुसैन के साथ शामिल हो गया. इस कारण ये समूह ईरान के कई लोगों के बीच अलोकप्रिय हो गया.लेकिन ये समूह अभी भी सक्रिय है. इस समूह से जुड़े लोगों के कुछ मित्र अमेरिका में हैं, जिनमें से कुछ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खेमे के करीबी माने जाते हैं.हालांकि, ट्रंप के पहले कार्यकाल की तुलना में इसका प्रभाव व्हाइट हाउस पर कम ही दिखता है. ट्रंप के पहले कार्यकाल में माइक पोम्पिओ, जॉन बोल्टन और रूडी गुलिआनी जैसे कई वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी एमईके की बैठकों में देखे गए थे और उन्होंने इसके समर्थन में भाषण भी दिए थे.इसके अलावा अन्य राजनीतिक ताकतें भी हैं, जिनमें ईरान में सेक्युलर लोकतंत्र की स्थापना चाहने वाले और संसदीय राजतंत्र की मांग करने वाले शामिल हैं.शुक्रवार को हुए इसराइल के हमलों के असर का पूरा विश्लेषण करना अभी जल्दबाजी होगी. लेकिन पिछले साल जब ईरान और इसराइल के बीच संघर्ष हुआ था, उस दौरान इस बात के कोई मजबूत संकेत नहीं मिले कि ईरान के लोग उस वक्त की स्थिति को तख़्तापलट के मौके के रूप में देख रहे थे.हालांकि, उस वक्त जो हुआ वो शुक्रवार के हमले में हुए नुकसान के स्तर के करीब भी नहीं था.इसराइल के इरादों की बात करते हुए यह जरूरी है कि हम ये पूछें कि अब ईरान का आखिरी लक्ष्य क्या है?इसराइल के कई ठिकानों को निशाना बनाने के बावजूद, ईरान के पास बहुत अच्छे विकल्प नहीं दिख रहे.कुछ लोगों को सबसे सुरक्षित तरीका ये लग सकता है कि ईरान अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे और तनाव कम करने की कोशिश करे.लेकिन ट्रंप की मांग के अनुसार अगर बातचीत जारी रखनी है (ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत) तो ये ईरान के नेताओं के लिए एक कठिन विकल्प है, क्योंकि इसका मतलब होगा कि उन्होंने हार स्वीकार कर ली.एक अन्य विकल्प इसराइल के खिलाफ जवाबी हमले जारी रखना है. ईरान का सबसे पसंदीदा विकल्प यही लगता है.ईरान के नेताओं ने अपने समर्थकों से यही वादा भी किया है. लेकिन अगर वो हमले जारी रखता है तो भी वो इसराइल की तरफ से और हमलों को न्योता दे सकता है.ईरान ने इससे पहले क्षेत्र में बने अमेरिकी ठिकानों, दूतावासों और उनके हितों से जुड़े अन्य स्थानों को निशाना बनाने की धमकी दी है.लेकिन इस धमकी पर वो आसानी से काम नहीं कर सकता, क्योंकि अमेरिका पर हमला करने से अमेरिका सीधे तौर पर इसमें शामिल हो जाएगा और ईरान ये बिल्कुल भी नहीं चाहेगा.इसराइल और ईरान दोनों ही पक्षों के लिए कोई भी विकल्प आसान नहीं है और इसका नतीजा क्या होगा, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है.लेकिन अभी तनाव खत्म नहीं हुआ है और धमाकों से उठी धूल अभी तक हवाओं में है. जब तक स्थिति शांत नहीं हो जाती, हमारे लिए ये जानना मुश्किल है कि क्या बदला और क्या नहीं.

ईरान में इन जगहों को इसराइल ने बनाया निशाना, इस्फहान शहर पर भी हमला

नई दिल्ली। इसराइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है. शुक्रवार रात को इसराइल के ईरान के परमाणु केंद्रों पर हमले के बाद इसकी जवाबी कार्रवाई में ईरान ने मिसाइलें दागी थीं.तब से ही दोनों देशों का एक-दूसरे के ऊपर हवाई हमला जारी है. शनिवार रात को भी इसराइल और ईरान ने एक-दूसरे पर हमले किए हैं.ईरान ने बताया है कि इसराइल ने उसके तेल ठिकानों पर कई हमले किए हैं और हालात नियंत्रण में हैं.वहीं इसराइल का कहना है कि ईरान ने तेल अवीव के नजदीक कुछ इमारतों को निशाना बनाया है जिसमें चार लोगों की मौत हुई है.इसराइल ने शुक्रवार रात से ईरान पर जो हमले किए हैं उसमें उसने उसके परमाणु केंद्रों को निशाना बनाने की बात की है. इन हमलों में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के प्रमुख समेत तीन शीर्ष सैन्य अफसरों की मौत हुई थी.इसराइल ने शनिवार की रात और रविवार की सुबह बताया है कि वो अभी भी ईरान में हमले कर रहा है.ईरान के तेल मंत्रालय ने कहा है कि शाहरान के तेल डिपो और तेहरान में एक फ़्यूल टैंक को इसराइली हमलों में निशाना बनाया गया है.इसके अलावा तेल मंत्रालय ने ये भी बताया है कि इसराइली हमलों में दक्षिण बुशेहर में तो बड़े गैस के कुओं को भी निशाना बनाया गया है.ईरानी मीडिया और इसराइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के मुताबिक, उसने तेहरान में ईरान के रक्षा मंत्रालय को भी निशाना बनाया है और एक इमारत को नुकसान पहुंचाया है. साथ ही मंत्रालय के ऑर्गेनाइजेशन ऑफ डिफेंसिव इनोवेशन एंड रिसर्च को भी निशाना बनाने की बात कही गई है.आईडीएफ का दावा है कि इन ठिकानों को इसलिए निशाना बनाया गया है क्योंकि इनका ईरान के परमाणु हथियार परियोजनाओं से संबंध हैं.शनिवार रात को आईडीएफ ने कहा कि इसराइल ने पश्चिमी ईरान में एक अंडरग्राउंड जगह को भी निशाना बनाया गया है 'जहां पर जमीन से जमीन पर मार करने वाली और क्रूज मिसाइलों को रखा गया था.'इसराइल ने रविवार को ईरान के प्रमुख शहर इस्फहान पर भी हवाई हमले किए हैं.ईरान के मध्य में स्थित इस्फहान का कन्वर्जन प्लांट ईरान के परमाणु ढांचे का अहम हिस्सा है.इसके अलावा, ईरान के अन्य शहरों में स्थित यूरेनियम की खदानें और अन्य प्लांट भी इस ढांचे का हिस्सा हैं.इस्फहान के पास ईरान के कई बड़े सैन्य ढांचे भी हैं, जिनमें एक बड़ा एयरबेस और मिसाइल बनाने का कारखाना शामिल हैं.

अप्रैल २०२४ में भी इसराइल ने इस इलाके में एक एयरफील्ड पर हमला किया था और वहां मौजूद एयर डिफेंस सिस्टम को नुकसान पहुंचाया था.

ईरान का कहना है कि इस्फहान की ये सभी सुविधाएं सिर्फ शांतिपूर्ण कामों के लिए हैं. लेकिन इसराइल और कई पश्चिमी देशों को शक है कि ईरान इनका इस्तेमाल छिपकर परमाणु हथियार बनाने में कर रहा है.वहीं इसराइली इमरजेंसी सर्विस मेगन डेविड अडोम (एमडीए) का कहना है कि तेल अवीव के दक्षिण में स्थित बाट यम शहर में एक इमारत पर ईरानी हमले में चार लोगों की मौत हो गई और १०० से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं.

मारे गए लोगों में ६९ वर्षीय महिला, ८० वर्षीय महिला, १० साल का एक बच्चा और एक लड़की शामिल है.वहीं बीबीसी को एक वीडियो मिला है जिसमें ईरान के मिसाइल हमलों के बाद हैफा तेल रिफाइनरी के पास आग जलती देखी जा रही है.इसराइल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े बुनियादी ढांचों को निशाना बनाने का दावा किया है.इसके अलावा, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने इसराइल को चेतावनी दी है कि अगर इसराइल ईरान पर अपने हमले जारी रखेगा, तो ईरान और भी तेजी से इसराइल पर हमले करेगा.

सारंगढ़ जिला शिक्षा अधिकारी निलंबित, रायगढ़ के जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा गया अतिरिक्त प्रभार

सारंगढ़। छ0ग0 माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित हायर सेकेण्डरी परीक्षा (01 मार्च से 28 मार्च 2025 तक) एवं हाईस्कूल की परीक्षा (03 मार्च से 24 मार्च 2025 तक) आयोजित की गई थी। जिले में स्थित परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण करने एवं अनुचित साधन की रोकथाम तथा परीक्षा केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्था बनाये रखने हेतु कलेक्टर जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा जिला स्तरीय उड ? दस्ता दल गठित किया गया था। एल.पी पटेल, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा कलेक्टर के बिना अनुमोदन/निर्देश प्राप्त किये बिना ही उड ?दस्ता दल में परिवर्तन / संशोधन किया गया। साथ ही इनके द्वारा तत्कालीन प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी, सारंगढ-बिलाईगढ को धमकी, अभद्रता एवं दुर्व्यहार (गाली-गलौज) एवं वेतन आहरण न करने तथा मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की शिकायत के संबंध में कारण बातओ सूचना पत्र का जवाब नहीं दिया गया। उक्त संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी सांरगढ बिलाईगढ़ को कलेक्टर सांरगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। श्री पटेल, के द्वारा प्रस्तुत प्रतिवाद संतोषप्रद नही पाया गया। श्री एल.पी पटेल, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी, सारंगढ-बिलाईगढ़ का उक्त कृत्य छ0ग0 सिविल सेवा (आचरण) नियम-1965 के नियम-3 के विपरीत कदाचार की श्रेणी में आता है। अतएव, राज्य शासन, एतद्वारा, श्री एल.पी पटेल, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी, सारंगढ-बिलाईगढ को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) 1966 के नियम-9 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए, इनका मुख्यालय कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बिलासपुर नियत किया जाता है। जिला शिक्षा अधिकारी रायगढ़ को जिला शिक्षा अधिकारी, सारंगढ-बिलाईगढ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा जाता है। निलंबन अवधि में श्री पटेल को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

वाजिद अली शाहः अवध के नवाब से लेकर कलकत्ता में आखिरी 30 साल बिताने तक

नई दिल्ली। क्या वो एक अय्याश शासक थे जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी शासन करने के बजाए विलासिता में बिता दी जैसा कि अंग्रेज बताते थे या फिर जैसा कि अधिकतर भारतीय मानते हैं कि वो एक बड़े शायर, संगीतज्ञ और कलाप्रेमी थे, अंग्रेजों ने ज्यादती करके उनकी गद्दी छीन ली और कलकत्ता जाने पर मजबूर कर दिया.सच्चाई शायद इन दोनों के बीच कहीं है, वाजिद अली शाह कलाकार और कला के कद्रदान जरूर थे लेकिन उनका व्यक्तित्व काफी जटिल था.३० जुलाई, १८२२ को जन्मे वाजिद अली शाह १३ फरवरी, १८४७ को अवध की गद्दी पर बैठे. उनकी आरंभिक शिक्षा घर पर ही हुई जहाँ उन्होंने दरबार में बोली जाने वाली फारसी और कुरान पढ़ने लायक अरबी सीखी.उनको बचपन से ही जमीन पर पैरों से ताल देने की आदत थी. मिर्जा अली अजहर अपनी किताब 'किंग वाजिद अली शाह ऑफ अवध' में लिखते हैं, "उनकी इस आदत से उनके एक उस्ताद इतने नाराज हुए कि उन्होंने उनके सिर पर इतने जोर से मारा कि उनके एक कान की सुनने की ताकत हमेशा के लिए चली गई.लखनऊ में मौजूद ब्रिटिश रेजिडेंट को पता था कि उन्हें सुनने में दिक़्कत होती है इसलिए जरूरत पड़ने पर वो वाजिद अली शाह के सामने अपने वाक्य को दोहरा देते थे.१८५० के आसपास पूरे राज्य की जनसंख्या करीब एक करोड़ थी जिसमें करीब सात लाख लोग लखनऊ और उसके आसपास रहते थे.इसके बावजूद उसकी आबादी उस समय की दिल्ली की लगभग दोगुनी थी.वाजिद अली शाह ने २६ वर्ष की आयु में अपनी आत्मकथा लिखी थी 'परीखाना', जिसमें उन्होंने अपने प्रेम प्रसंगों और संगीत-नृत्य से अपने बहुआयामी सरोकारों की दास्तान लिखी थी. सवाल उठता है कि उन्होंने अपनी आत्मकथा का नाम 'परीखाना' क्यों रखा? इसका जवाब देते हुए शकील सिद्दीक ी ने उनकी जीवनी की भूमिका में लिखा था, "नवाब साहब ने अपना दिल बहलाने के लिए संगीत-नृत्य सिखाने का इंतजाम किया था. इस स्कूल का नाम 'परीखाना' रखा गया था जिसमें उस समय की संगीत और नृत्य में निपुण लड़कियों को भर्ती किया जाता था.इसमें दाखिल होने वाली लड़कियों को 'परी' कहा जाता था. उसमें अपने समय के कुछ माहिर उस्ताद संगीतज्ञ भी मुलाजिम थे, जिनसे लड़कियाँ तालीम लेती थीं. खुद वाजिद अली शाह भी सीखते थे.परीखाना उसी जगह स्थापित हुआ था जहाँ १८७८ में कैनिंग कॉलेज कायम हुआ और जहाँ आज संगीत का मशहूर भातखंडे महाविद्यालय है.नवाब वाजिद अली शाह खुद संगीत और नृत्य के बड़े ज्ञाता थे. उन्होंने अपने इस शौक पर बड़ी रकम खर्च की.आखिरकार, अवध के रेजिडेंट कर्नल स्लेमन ने इस पर रोक लगा दी. साथ ही, उसने कई संगीतकारों को शहर-बदर करा दिया.वाजिद अली शाह अपनी आत्मकथा में लिखते हैं, मेरे पिता अमजद अली शाह ने मेरी गतिविधियों के प्रति गहरी अरुचि और नाराजगी जाहिर की थी. यहाँ तक कि मुझे एक बार नजरबंद कर दिया था. ये सामंती परंपरा के निर्वाह में कुछ जरूरी मूल्यों को बचाने की उनकी चिंता थी.वाजिद अली शाह एक रचनात्मक, मुश्किल और दिलचस्प इंसान थे. उनके बाल छल्लेदार होते थे और वो अपनी पोशाक इस अंदाज में पहनते थे कि उनका सीना लोगों को दिखाई देता था. सन् १८४७ में अवध की गद्दी संभालने से पहले ही 'बहार-ए-इश्क' जैसी रचनाएँ लिख चुके थे.उनके नाटक कई महीने की तैयारी के बाद मंचित किए जाते थे. सन १८५३ में उन्होंने एक योगी मेला करवाया था जिसमें उन्होंने अपने महल का बागीचा आम लोगों के लिए खोल दिया था.मनु एस पिल्लई अपनी किताब 'द कोर्टिजान, महात्मा एंड द इटालियन ब्राह्मण' में लिखते हैं, "इस आयोजन में सभी लोगों को केसरिया वस्त्र पहनकर आने के लिए कहा गया था. सन १८४३ में उन्होंने कृष्ण के जीवन पर आधारित एक नाटक का मंचन किया था जिसमें उनकी चार पत्नियों ने गोपियों की भूमिका निभाई थी.वाजिद अली शाह की पत्नियों की तादाद सैकड़ों में बताई जाती है.रोजी जोंस अपनी किताब 'द लास्ट किंग ऑफ इंडिया' में लिखती हैं, कलकत्ता में रहने वाले उनके एक वंशज के अनुसार, नवाब इतने पाक-साफ आदमी थे कि वो किसी महिला से तब तक कोई संबंध नहीं रखते थे जब तक उन्होंने उससे अस्थायी विवाह न किया हो. इसमें कोई शक नहीं कि उन्हें महिलाओं से घिरे रहना पसंद था.शकील सिद्दीक ी लिखते हैं, "रंगीले पिया और जान-ए-आलम जैसे विशेषणों से मशहूर हो जाने वाले इस बादशाह ने यौन संबंधों में महिलाओं की रजामंदी का सम्मान किया और धार्मिक नियमों का कड़ाई से पालन किया. विधिवत विवाह किए बिना उन्होंने किसी स्त्री से संबंध नहीं बनाया. साथ ही, उन्होंने सभी बेगमों को संबंध-विच्छेद की छूट भी दी. खर्च के लिए सबको हैसियत के हिसाब से निश्चित मासिक राशि के भुगतान की व्यवस्था भी की.१६ नवंबर, १८४७ को नवाब वाजिद अली शाह अंग्रेज गवर्नर जनरल लॉर्ड हार्डिंग से मिलने कानपुर गए. गवर्नर जनरल ने अवध की स्थिति पर असंतोष प्रकट किया.शासन व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने के लिए उन्होंने वाजिद अली को एक पत्र के जरिए दो साल का समय दिया.जनवरी १८४९ में कर्नल स्लेमन को अवध का रेजिडेंट बनाकर लखनऊ भेजा गया. उस पूरे साल वाजिद अली गंभीर रूप से बीमार रहे.हालात का फायदा उठाते हुए स्लेमन ने पूरे अवध का भ्रमण कर डाला और राज-काज के काम में अपना हस्तक्षेप बढ़ाना चाहा.उसने वाजिद अली शाह के एक खास सलाहकार को बर्खास्त करने की सलाह दी जिसे नवाब ने नहीं माना.

स्लेमन ने अपनी रिपोर्ट में लिखा, "वाजिद अली के चरित्र से बहुत उम्मीदें नहीं हैं. वो मनमौजी किस्म के शख़्स हैं. उनके रात और दिन जनानखाने में बीतते हैं. अय्याशी और फिजूलखर्ची उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन चुका है.

वाजिद अली शाह को अवध की गद्दी छोड़नी पड़ी हालांकि वाजिद अली शाह ने उसके बाद कई प्रशासनिक सुधार किए और 'दस्तूर-ए-वाजिदी नाम का एक नियम दस्तावेज भी लिखा लेकिन २१ नवंबर, १८५१ को लॉर्ड डलहौजी की सिफारिश पर ईस्ट इंडिया कंपनी के निदेशक मंडल ने अवध को अंग्रेजी राज में मिलाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की.१७ फरवरी, १८५६ को अवध को ईस्ट इंडिया कंपनी में विलीन करने की विधिवत घोषणा हुई और नवाब वाजिद अली शाह को अवध की गद्दी छोड़नी पड़ी.नवाब ने शिकायत की कि उनके साथ ऐसा सलूक क्यों किया जा रहा है?मनु पिल्लई लिखते हैं, "इस सवाल का कोई सीधा जवाब नहीं था लेकिन कुछ हल्कों में ये जरूर कहा जाता था कि ईस्ट इंडिया कंपनी ने नवाब से काफी कर्ज ले रखा था. कर्ज लौटाने से बेहतर विकल्प था कर्ज देने वाले को बर्बाद कर देना.एक जमाने में वाजिद अली शाह के पास ६० हजार से अधिक सैनिक होते थे, लेकिन उन्होंने उनका इस्तेमाल अंग्रेजों के विरोध में नहीं किया.१३ मार्च को इंग्लैंड की महारानी को अर्जी देने के मकसद से वो कलकत्ता रवाना हुए जहाँ से वो लंदन जाना चाहते थे. वाजिद अली शाह के प्रति अंग्रेजों के व्यवहार ने लखनऊ और अवध के ग्रामीण इलाके.के लोगों में उथल-पुथल पैदा कर दी.रुद्रांशु मुखर्जी अपनी किताब 'अ बेगम एंड द रानी' में लिखते हैं, वाजिद अली शाह को गद्दी से हटाने का लोगों ने विरोध किया. उस जमाने में उस इलाके. में एक लोकगीत प्रचलित हुआ, 'अंग्रेज बहादुर आइन, मुल्क लै लीन्हो'.जब वाजिद अली शाह कलकत्ता के लिए रवाना हुए तो उनकी प्रजा के बहुत से लोग कानपुर तक उनके साथ गए.विलियम क्रुक ने अपनी किताब 'सॉन्ग्स अबाउट द किंग ऑफ अवध' में लिखा, "जान-ए-आलम के रवाना होने के बाद लखनऊ की हालत बिना किसी अतिश्योक्ति के ऐसी हो गई जैसे शहर की आत्मा निकल गई हो. शहर की कोई सड़क, बाजार और घर ऐसा नहीं था जो जान-ए-आलम के विरह में दुखी न हुआ हो.लखनऊ से विदा होते समय उन्होंने एक शेर कहा था-वहाँ पहुंचते ही वो बीमार पड़ गए इसलिए वो लंदन नहीं जा सके. १८ जून को नवाब की माँ मलिका किश्वर, भाई सिकंदर हशमत और उनका बेटा लंदन के लिए रवाना हुए.इस बीच लखनऊ और मेरठ जैसी जगहों पर अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह भड़क उठा.

पीएम ग्रामीण सड़क पर दौड़ रहीं अवैध गाड़ियों पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

भिलाई बाजार में ट्रैफिक और ट्रांसपोर्ट विभाग की संयुक्त कार्रवाई, अन्य क्षेत्रों में भी होगी सख्ती

ग्रामीणों के प्रदर्शन के बाद हरकत में आया प्रशासन

कोरबा अम्बिकावाणी – जिले में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनी सड़कों पर नियम विरुद्ध भारी वाहनों की आवाजाही पर अब प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। जनहित को लेकर उठे आंदोलनों के दबाव और ट्रांसपोर्टर लॉबी की मनमानी को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग ने संयुक्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इस क्रम में भिलाई बाजार मार्ग पर विशेष अभियान चलाकर ऐसे वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई, जो ग्रामीण सड़कों पर नियमों की अवहेलना करते हुए दौड़ रहे थे। इस दौरान कई गाड़ियों को जब्त किया गया और उन पर आर्थिक दंड भी लगाया गया।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले करतला विकासखंड के डोंगाआमा–सालियाभाठा मार्ग पर ग्रामीणों ने चक्काजाम कर विरोध जताया था। उनका आरोप था कि भारी वाहनों की आवाजाही से सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर कार्यवाही का भरोसा दिलाया, जिसके बाद आंदोलन समाप्त हुआ। अब उसी के तहत ट्रैफिक डीएसपी डी.के. सिंह और जिला परिवहन अधिकारी विवेक सिंह के नेतृत्व में मैदानी टीमों ने कार्रवाई तेज कर दी है।

सभी विकासखंडों में चलेगा अभियान – प्रशासन ने संकेत दिया है कि ऐसी संयुक्त जांच अभियान अब जिले के अन्य क्षेत्रों में भी चलाए जाएंगे। विशेषकर प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़कों पर अधिक क्षमता से अधिक भार वहन करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों को केवल निर्धारित भार वहन करने वाले वाहनों के लिए स्वीकृत किया गया है। नियम तोड़ने पर अब कठोर कार्रवाई की जाएगी। सड़क सुरक्षा और जनहित के लिए प्रशासन की यह पहल सराहनीय मानी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें बचाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

छोटी खबरें

कुएं में गिरा था भारतीय नाग, जान जोखिम में डालकर किया गया रेस्क्यू, बाल्टी में भरकर निकाला गया जहरीला कोबरा

कोरबा अम्बिकावाणी – कोरबा जिले में सांप निकलने की घटनाएं अब आम हो चली हैं। चाहे वह औद्योगिक परिसर हो या ग्रामीण क्षेत्र। हाल ही में जिले के दादर क्षेत्र में एक विशाल भारतीय नाग (स्पेक्टेकल्ड कोबरा) के कुएं में गिरने से सनसनी फैल गई। स्थानीय युवक गौतम पटेल ने घटना की जानकारी मिलते ही वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम के प्रमुख जितेंद्र सारथी को सूचना दी। टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से एक जोखिम भरा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

सारथी ने सुरक्षा बेल्ट बांधी और रस्सी के सहारे कुएं में उतरे। फिर विशेष सावधानी के साथ बाल्टी की मदद से नाग को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी समय और धैर्य की जरूरत पड़ी। अंततः सांप को सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया गया। सांपों को लेकर भ्रम में न रहें, सावधानी और जानकारी ही बचाव है. प्रमुख जितेंद्र सारथी का कहना है कि भारत में पाए जाने वाले अधिकांश सांप विषहीन होते हैं। लेकिन जानकारी के अभाव में ग्रामीण क्षेत्र में लोग डर जाते हैं और अक्सर झाड़-फूंक या देसी इलाज का सहारा लेते हैं, जिससे कई बार जान का खतरा बढ़ जाता है। सर्पदंश की स्थिति में तुरंत अस्पताल जाएं। अंधविश्वास नहीं, त्वरित चिकित्सा ही जीवन रक्षा का साधन है।

मदद के लिए संपर्क करें, वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम, कोरबा ८८१७५–३४४५५, ७९९९६–२२१५१

रेलवे में एंबुश टिकट चेकिंग अभियान, 192 मामलों मे 73 हजार से अधिक वसूला

बिश्रामपुर रेल में बिना टिकट यात्रा करने वाले सावधान हो जाएं रेल प्रबंधन ने अब बिना वैध टिकट यात्रा करने वालों के लिए विशेष औचक जांच अभियान की शुरूआत की है इसी क्रम में

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत चांपा रेलवे स्टेशन में आज एक विशेष टिकट जांच अभियान (एंबुश चेकिंग) का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवा) कौशिक मित्रा द्वारा किया गया।

अभियान के दौरान कुल १९२ मामलों में अनियमित यात्रियों को पकड़ा गया, जिनसे कुल ?७३,२७०/- की जुमार्ना राशि वसूल की गई। यह कार्रवाई यात्रियों में टिकटिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और रेलवे राजस्व हानि की रोकथाम हेतु की गई ।

इस अभियान में कुल १५ वाणिज्यिक स्टाफ के साथ-साथ २ आरपीएफ तथा २ आरपीएसएफ जवानों की सक्रिय भागीदारी रही। टीम ने प्रभावी समन्वय और सतर्कता के साथ प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में जांच कार्य को अंजाम दिया।

रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा से पूर्व उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें। बिना टिकट यात्रा एक सामाजिक बुराई है, जो न केवल कानून के उल्लंघन का कारण बनती है बल्कि इससे रेलवे को राजस्व की हानि भी होती है।

ऐसे विशेष अभियान समय-समय पर भविष्य में भी जारी रहेंगे, जिससे यात्रियों में टिकटिंग के प्रति अनुशासन बना रहे एवं रेलवे सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अव्यवस्था चरम पर, सुरक्षाकर्मी पर परिजनों से अभद्रता का आरोप

वार्ड में डॉक्टर तक को रोकने की शिकायत, प्रबंधन से की गई शिकायत

कोरबा अम्बिकावाणी – बिसाहू दास महंत मेडिकल कॉलेज से एफिलेटेड जिला मेडिकल अस्पताल की व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। पहले मेडिकल स्टाफ की लापरवाही की खबरें सामने आई थीं, अब सुरक्षाकर्मियों के दुर्व्यवहार ने मरीजों और उनके परिजनों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। ताजा मामला अस्पताल के वार्ड से जुड़ा है, जहां एक ग्रामीण के जीजा का चेस्ट और पेट का ऑपरेशन किया गया है और वे इलाजरत हैं। पीड़ित परिजनों का आरोप है कि मरीज की देखभाल के लिए जब वे तीन लोगों की मदद लेना चाहते थे, तो वहां मौजूद सुरक्षाकर्मी ने भीड़ ना बढ़ाने की बात कहकर उन्हें रोक दिया। इस पर परिजनों ने तर्क दिया कि यदि बाहर से सहायता की अनुमति नहीं है, तो अस्पताल की ओर से खुद ये सेवाएं सुनिश्चित की जाएं। इसी बात को लेकर मौके पर काफी देर तक बहसबाजी हुई। परिजनों का कहना है कि सुरक्षाकर्मी का व्यवहार काफी अभद्र और अपमानजनक था।

वार्ड में डॉक्टर को भी रोका गया

वहीं, वार्ड में भर्ती अन्य मरीजों के परिजनों ने भी इसी प्रकार की शिकायत की है। उनका कहना है कि सुरक्षाकर्मी न केवल तीमारदारों को परेशान कर रहे हैं, बल्कि एक चिकित्सक को भी वार्ड में प्रवेश से रोक दिया गया, जिससे हालात और अधिक बिगड़ गए।

कॉन्ट्रैक्ट एजेंसी पर उठे सवाल

सूत्रों की मानें तो अस्पताल में सुरक्षा की जिम्मेदारी एक प्राइवेट कॉन्ट्रैक्ट एजेंसी को दी गई है, जिसके कर्मचारी प्रशिक्षण व संयम से रहित व्यवहार कर रहे हैं। इसको लेकर अस्पताल में लगातार शिकायतें दर्ज हो रही हैं और कई बार विवाद की स्थिति उत्पन्न हो चुकी है।

स्थानीय लोगों और परिजनों की मांग है कि अस्पताल प्रबंधन तत्काल मामले की जांच कर संबंधित एजेंसी को व्यवस्था सुधारने का निर्देश दे। यदि अस्पताल जैसी संवेदनशील जगहों पर ऐसा व्यवहार जारी रहा, तो इससे मरीजों की सुरक्षा और इलाज दोनों पर असर पड़ सकता है। प्रबंधन की चुप्पी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

ठेला गुमटियों पर चला बुलडोजर, बगैर विस्थापन प्रशासन ने छीन ली लोगों की रोजी रोटी

(मो. हदीस) सीतापुर – थाना के सामने स्थित ठेला गुमटियों पर चला प्रशासन का बुलडोजर। अतिक्रमण मुक्त सड़क अभियान के तहत सड़क किनारे स्थित सभी गुमटियों पर कार्यवाही करते हुए प्रशासनिक अमला ने बगैर उनके विस्थापन के, सुबह ८ बजे गहमा गहमी के बीच अतिक्रमण पर बुलडोजर चलना शुरू कर दिया जहा अधिकारीयो को भारी विरोध का सामना करना पड़ा इस दरमियान अधिकारी और नागरिकों के बीच तीखी प्रक्रिया देखने को मिला। अचानक हुए इस कार्यवाही में लोगों को अपने सामान खाली करने तक का मौका नही मिला और तोड़फोड़ की कार्यवाही सुरु कर दिया गया। बगैर विस्थापन के हुए इस तरह के कार्यवाही से अब उनके आगे रोजी रोटी की गम्भीर समस्या उत्पन्न हो गया। नगर के सड़क किनारे पिछले ४० वर्षो से ठेल और गुमटियों में अपनी छोटे मोटे दुकान चला कर रोजी रोटी कमा रहे दर्जनों लोग बुलडोजर के मार से बेरोजगार हो गये ,अब उनके सामने रोजी रोटी की गम्भीर समस्या उत्पन्न हो गया है । वे अपने परिवार का लालन पालन कैसे करेंगे यह एक सवाल बन कर खड़ा हो गया है।

एस डी एम नीरज कौसिक – पूरी कार्यवाही नगर पंचायत के द्वारा किया गया है यह कार्यवाही अचानक नही किया गया है, महीना पूर्व उन्हें खाली करने का नोटिस जारी किया गया था। इस पूरे कार्यवाही में नगर पंचायत के साथ पुलिस प्रशासन एवं राजस्व अमला सहयोगी के रूप में उनके साथ खड़ा था।

रक्षा, एयरोस्पेस और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निवेश का नया केंद्र बनने की ओर छत्तीसगढ़

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य अब केवल खनिज और कृषि प्रधान राज्य नहीं रह गया है, बल्कि तकनीकी नवाचार और रणनीतिक उद्योगों का नया गढ़ बनकर उभरने की दिशा में अग्रसर है। इस परिवर्तन की आधारशिला मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में रखी गई है, जिन्होंने न केवल राज्य की औद्योगिक नीतियों को समकालीन और रोजगारोन्मुख बनाया, बल्कि रक्षा, एयरोस्पेस और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करने के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय की अध्यक्षता में हाल ही में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में इन उन्नत प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए पृथक औद्योगिक प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की गई। यह पैकेज न केवल इन क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि राज्य के युवाओं के लिए सेवा और रोजगार के अवसरों के नए द्वार भी खोलेगा। छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के अंतर्गत तैयार किया गया यह विशेष पैकेज अत्याधुनिक उद्योगों की स्थापना और विस्तार को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। रक्षा, एयरोस्पेस और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़े उद्यमों को स्थायी पूंजी निवेश के आधार पर 100 प्रतिशत तक की एसजीएसटी प्रतिपूर्ति या वैकल्पिक रूप से पूंजी अनुदान की सुविधा दी जाएगी। 50 करोड़ से लेकर 500 करोड़ से अधिक के निवेश करने वाली इकाइयों के लिए 35 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा 300 करोड़ रुपये तक तय की गई है। इसके साथ ही, निवेशकों को ब्याज अनुदान, विद्युत शुल्क में छूट, स्टाम्प और पंजीयन शुल्क में रियायतें, भूमि उपयोग परिवर्तन शुल्क में छूट, रोजगार सृजन पर आधारित प्रोत्साहन, ईपीएफ प्रतिपूर्ति और प्रशिक्षण अनुदान जैसी सुविधाएं भी दी जाएंगी। इस नीति का सबसे प्रभावशाली पहलू यह है कि इसमें स्थानीय युवाओं के लिए स्थायी रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी गई है। जो उद्योग छत्तीसगढ़ के निवासियों को पहली बार रोजगार देंगे, उन्हें दिए गए वेतन का 20 प्रतिशत तक अनुदान भी मिलेगा। यह राज्य सरकार की उस सोच का परिणाम है, जिसमें 'विकास' केवल आंकड़ों तक सीमित न रहकर आम जनता के जीवनस्तर में वास्तविक सुधार का माध्यम बने। रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की स्थापना पर व्यय का 20 प्रतिशत तक अनुदान, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना पर पूंजी निवेश अनुदान तथा ड्रोन प्रशिक्षण केंद्रों के लिए विशेष सहायता जैसी व्यवस्थाएं राज्य को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और अग्रणी बनाएंगी।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0............/अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नेहा सिन्हा पिता प्रदीप कुमार वर्मा पति गौरव कुमार सिन्हा जाति कायस्थ निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सरगवां तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 723/9, रकबा 0.016 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 27/06/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202505020700157

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- ब-121 सन:- 2024-2025
भगवानपुर कला प.ह.नं. 00018 [(हे0)],
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- प्यारी लकड़ा,
अनावेदक पक्षकार- छ०ग० शासन,

ईश्तहार

आवेदिका प्यारी लकड़ा पति जुवेल लकड़ा निवासी मुक्तिपारा थाना गांधीनगर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम भगवानपुरकला स्थित भूमि खसरा नंबर 24/8 रकबा 0.024 हे० भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/06/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/05/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील, अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202505020700159

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- ब-121 सन:- 2024-2025
भगवानपुर कला प.ह.नं. 00018 [(हे0)],
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार लोयला मंजू,
अनावेदक पक्षकार- छ०ग० शासन,

ईश्तहार

आवेदिका लोयला मंजू मिंज पति नवल किशोर मिंज निवासी मुक्तिपारा थाना गांधीनगर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम भगवानपुरकला स्थित भूमि खसरा नंबर 23/10 रकबा 0.020 हे० भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/06/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/05/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील, अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार मानी-पोड़ी, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

-:ईश्तहार:-

रा०प्र०क्र० 202410263200005 /अ-21(4)/2024-25

सर्व साधारण ग्राम जमदेई को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक कपील आ. स्व० शिवनाथ, उम्र-5० वर्ष, जाति-पनिका, निवासी ग्राम जमदेई, तहसील व जिला सूरजपुर छ.ग. अपने स्वामीत्व व अधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 29- रा.नि.मं. केशवनगर, ग्राम जमदेई स्थित खसरा नंबर 1894/2 रकबा 0.40 हे० भूमि को अनावेदक द्वारिका प्रसाद राजवाड़े आ० स्व. रामप्रसाद जाति-रजवार निवासी ग्राम पचिरा थाना व तहसील सूरजपुर छ०ग० भूमि का विक्रय करने का सौदा कर विक्रय की सम्पूर्ण राशि 2,50,000/- (दो लाख पच्चास हजार रुपये) सम्पूर्ण रकम प्राप्त कर लिया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो वह अपना आक्षेप दिनांक 08/07/2025 को इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
मानी-पोड़ी,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

कटघोरा पुलिस ने अश्लील फोटो-वीडियो पोस्ट करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

तीन साल से था फरार, बच्चों से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री डालने का आरोप

कोरबा अम्बिकावाणी – कटघोरा थाना क्षेत्र में साल २०२१ से फरार चल रहे एक साइबर अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने सोशल मीडिया पर बच्चों से जुड़ी अश्लील फोटो और वीडियो पोस्ट की थी, जिसकी शिकायत के बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। २६ फरवरी २०२१ को एक शिकायतकर्ता ने कटघोरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि किसी अज्ञात मोबाइल नंबर से बच्चों की अश्लील सामग्री सोशल मीडिया पर डाली जा रही है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्नड्ढक्र दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि यह मोबाइल नंबर राघवेन्द्र भोई नाम के युवक का है, जो एकता नगर, थाना बालको नगर, जिला कोरबा का निवासी है। घटना के बाद से आरोपी फरार हो गया था।

पुलिस की टीम ने किया सराहनीय कार्य

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी धरम नारायण तिवारी के नेतृत्व में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया गया। टीम को सफलता मिली और आरोपी राघवेन्द्र भोई पिता नारायण प्रसाद भोई, उम्र २६ वर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने ही वह आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की थी।

साइबर अपराधों पर पुलिस की कड़ी नजर

कटघोरा पुलिस की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि बच्चों से संबंधित किसी भी तरह की आपत्तिजनक सामग्री को लेकर पुलिस गंभीर है और ऐसे अपराधों में कठोर कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस की अपील

थाना प्रभारी ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने मोबाइल और इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग सावधानीपूर्वक करें। किसी अनजान व्यक्ति को अपनी सिम या नेटवर्क साझा न करें। यदि किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस या साइबर सेल को जानकारी दें।

> स्वयं को बदलने का अवसर सदा मिलता है, कहीं ऐसा तो नहीं कि समय आपको बदलता हो?
>
> 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी

यूक्रेन और रूस के बीच तुर्किये में शांति वार्ता का दूसरा दौर चल रहा है। इस खबर से दुनिया भर में राहत की सांस ली जानी चाहिए थी, लेकिन कोई इसके सार्थक परिणामों की उम्मीद नहीं कर रहा। दोनों देशों में अभी तक मृत सैनिकों के शवों और घायल सैनिकों की अदला-बदली पर ही सहमति बनी है,

जबकि युद्ध तीन साल से बदस्तूर जारी है। दोनों देशों में हो रही वार्ता की तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान अध्यक्षता कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों की हालिया टिप्पणियों से पहले ही संकेत मिल चुके हैं कि युद्ध को रोकने की दिशा में फिलहाल कोई ठोस प्रगति नहीं होने जा रही है। जंग का हाल ये है कि रोज इसकी गंभीरता बढ़ती जा रही है। अग्रिम मोर्चे पर भीषण लड़ाई चल रही है और दोनों पक्ष एक-दूसरे के क्षेत्र में भीतर तक हमले कर रहे हैं। पहले इस युद्ध में यूक्रेन को कमजोर समझा जा रहा था और पूरी दुनिया मान बैठी थी कि यूक्रेन जल्द ही हथियार डाल देगा और रूसी राष्ट्रपति पुतिन अपने मकसद में कामयाब हो जाएंगे, लेकिन यूक्रेनी सेना इस युद्ध को तीसरे साल तक खींचने में कामयाब रही है। रविवार को तो यूक्रेन ने रूस को एसा सबक सिखाया जिसे पुतिन और रूसी सेना कभी नहीं भूल पाएगी।

यूक्रेनी सेना ने ड्रोन हमले करके रूस के भीतर कई अहम एयर स्ट्रिप को बरबाद कर 40 से अधिक रूसी विमानों की कब्रगाह बना डाली। खिसियाया रूसी रक्षा मंत्रालय मार गिराए गए यूक्रेनी ड्रोन की संख्या बताकर ही खीझ मिटा रहा है। यूक्रेन पर रूसी हमले पहले की तरह जारी हैं। युद्ध अब अत्याधुनिक पैंतरेबाजी तक पहुंच गया है। इसमें अब सैनिकों से ज्यादा ड्रोन की भूमिका हो गई है। युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र और बड़े देशों की भूमिका निंदनीय बनी हुई है। ये सभी इसे पुतिन का निजी मामला समझकर सुविधाजनक दूरी बनाए हुए हैं। यूक्रेन को सैन्य सामग्री देकर ही नाटो भी संतुष्ट है। अमेरिका रूस से तेल, गैस और यूरेनियम खरीदन वालों पर 500 फीसद शुल्क लगाने के विधेयक पर विचार की तैयारी कर रहा है। भारत और चीन इसका सीधा शिकार बनेंगे जो रूस से भारी मात्रा में ये सामान खरीद रहे हैं। इस युद्ध से पुतिन भी संकट में हैं, क्योंकि उन्होंने ऐसे युद्ध में गर्दन फंसा ली है जहां से निकलना संभव नहीं हो रहा।

यूक्रेनी शहरों की तबाही और लाखों लोगों के विस्थापन के साथ दुनिया की भी सांस हलक में अटकी है। इस्तांबुल वार्ता का किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी है।

बैंकिंग प्रणाली को ग्राहक-केंद्रित बनाने की जरूरत

विनीत नारायण

भारतीय बैंकिंग प्रणाली, जो देश की आर्थिक रीढ़ मानी जाती है, समय-समय पर ग्राहकों के साथ अनुचित व्यवहार के लिए आलोचना का विषय बनती रही है। हाल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नये दिशा-निर्देशों का ऐलान किया गया जिनसे देश भर के बैंकों में नये सेवा शुल्कों और लेन देन की सीमाओं को लेकर असमंजस की स्थिति है। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कंफेडरेशन के पूर्व महासचिव थॉमस फ्रैंको ने हाल में बैंकों द्वारा ग्राहकों से अनुचित शुल्क वसूलने और आरबीआई की नीतियों के प्रभावों पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

फ्रैंको ने बैंकों की उन प्रथाओं पर प्रकाश डाला है, जिनके माध्यम से ग्राहक अनजाने में अतिरिक्त शुल्क और चार्जेस का बोझ उठाते हैं। उनके अनुसार, बैंक न केवल अपनी सेवाओं के लिए मनमाने ढंग से शुल्क बढ़ाते हैं, बल्कि ग्राहकों को अनुचित नियमों और शतरे के जाल में भी फंसाते हैं। उदाहरण के लिए, एटीएम लेन देन पर लगने वाले शुल्क, न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता और तीसरे पक्ष के उत्पादों (जैसे बीमा) की गलत बिक्री (मिस-सेलिंग) आम ग्राहकों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। आरबीआई के दिशा-निर्देशों के बावजूद बैंक ग्राहकों के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने में विफल रहे हैं। वे बताते हैं कि बैंकों द्वारा लगाए गए कई शुल्क, जैसे एटीएम से नकदी निकासी पर चार्ज या न्यूनतम बैलेंस न रखने की सजा, ग्राहकों के लिए अनुचित और बोझिल हैं। विशेष रूप से छोटे बचत खाताधारकों और ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है।

आरबीआई ने हाल में एटीएम संचालन, लेन देन सीमा और शुल्क से संबंधित नये दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों के अनुसार, ग्राहकों को अपने बैंक के एटीएम पर सीमित मुफ्त लेन देन की सुविधा दी जाती है, और अन्य बैंकों के एटीएम पर भी मुफ्त लेन देन की संख्या निर्धारित की गई है। इन सीमाओं को पार करने पर ग्राहकों से शुल्क वसूला जाता है। फ्रैंको का तर्क है कि ये दिशा-निर्देश बैंकों को ग्राहकों से अतिरिक्त शुल्क वसूलने की छूट देते हैं, जिससे आम आदमी पर बोझ बढ़ता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई ग्राहक अपने बैंक के एटीएम से पांच मुफ्त लेन देन के बाद अतिरिक्त निकासी करता है, तो उसे प्रति लेन देन 20 रु पये तक का शुल्क देना पड़ सकता है। इसी तरह, अन्य बैंकों के एटीएम पर तीन मुफ्त लेन देन के बाद शुल्क लागू होता है।

फ्रैंको के अनुसार, यह व्यवस्था ग्राहकों को उनकी ही बचत का उपयोग करने के लिए दंडित करती है। आरबीआई ने डिजिटल बैंकिंग और साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जैसे मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और अनिधकृत लेन देन की स्थिति में ग्राहकों की शून्य देयता। हालांकि, फ्रैंको का कहना है कि इन नियमों का कार्यान्वयन अपर्याप्त है। बैंकों द्वारा ग्राहकों को सूचित करने और शिकायत निवारण की प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी बनी रहती है। थॉमस फ्रैंको ने बैंकों द्वारा तीसरे पक्ष के उत्पादों, विशेष रूप से बीमा और म्यूचुअल फंड, की मिस-सेलिंग पर विशेष ध्यान दिया है। उनके अनुसार, बैंक कर्मचारी अक्सर ग्राहकों, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, को भ्रामक जानकारी देकर ऐसे उत्पाद बेचते हैं, जो उनकी वित्तीय जरूरतों के लिए उपयुक्त नहीं होते। उदाहरण के लिए, सिंगल प्रीमियम बीमा पॉलिसियों की बिक्री में ग्राहकों को जोखिमों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग अपनी बचत खो देते हैं।

अक्सर देखा गया है कि बैंकों द्वारा ग्राहकों को अनुचित शतरे वाले ऋण समझौतों में फंसाया जाता है। उदाहरण के लिए, फ्लोटिंग रेट होम लोन लेने वाले ग्राहकों को ब्याज दरों में कमी का लाभ स्वचालित रूप से नहीं दिया जाता और इसके लिए अतिरिक्त शुल्क वसूला जाता है। यह न केवल अनुचित है, बल्कि आरबीआई के ग्राहक अधिकार चार्टर का भी उल्लंघन है, जिसमें निष्पक्ष व्यवहार और पारदर्शिता की बात कही गई है। आरबीआई ने 2014 में ग्राहक अधिकार चार्टर जारी किया था, जिसमें पांच मूलभूत अधिकारों की बात की गई थी-निष्पक्ष व्यवहार, पारदर्शिता, उपयुक्तता, गोपनीयता और शिकायत निवारण। हालांकि, फ्रैंको और अन्य उपभोक्ता कार्यकताओं का कहना है कि आरबीआई ने इन अधिकारों को लागू करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए। उदाहरण के लिए, शिकायत निवारण के लिए समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है, और बैंकिंग लोकपाल अक्सर बैंकों के पक्ष में ही फैसले सुनाता है।

आरबीआई को बैंकों पर सख्ती बरतनी चाहिए और अनुचित शुल्क वसूली, मिस-सेलिंग और एकतरफा समझौतों पर रोक लगानी चाहिए। उनके अनुसार, आरबीआई की निष्क्रियता बैंकों को ग्राहकों का शोषण करने की खुली छूट देती है। बैंकों की इन प्रथाओं का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्ग, छोटे बचतकताओं और ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों पर पड़ता है। न्यूनतम बैलेंस न रख पाने वाले खाताधारकों से भारी जुमार्ना वसूला जाता है, जो उनकी बचत को और कम करता है। डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर धोखाधड़ी के मामले भी बढ़े हैं, और ग्राहकों को नुकसान की भरपाई के लिए लंबी कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।

ऐसे में कुछ समाधान पर आरबीआई को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। टेलीकॉम सेक्टर की तरह बैंक खातों की पोर्टेबिलिटी को आसान करना चाहिए ताकि ग्राहक आसानी से बैंक बदल सकें। सभी शुल्क और चार्जेस की जानकारी स्पष्ट और सरल भाषा में देनी चाहिए। तीसरे पक्ष के उत्पादों की बिक्री के लिए सख्त नियम और ग्राहक की सहमति अनिवार्य होनी चाहिए। आरबीआई को शिकायत निवारण के लिए समय सीमा निर्धारित करनी चाहिए और बैंकों पर दंड लगाना चाहिए। छोटे लेन देन और ग्रामीण क्षेत्रों में एटीएम शुल्क को खत्म करना चाहिए। बैंकों द्वारा ग्राहकों से अनुचित शुल्क वसूलने और मिस-सेलिंग की प्रथाएं आम आदमी के लिए वित्तीय बोझ बढ़ा रही हैं। फ्रैंको का यह संदेश-कि 'ग्राहकों का सशक्तिकरण धन संरक्षण का सबसे सुरक्षित तरीका है,इ हमें सोचने पर मजबूर करता है कि बैंकिंग प्रणाली को पारदर्शी, निष्पक्ष और ग्राहक-केंद्रित बनाने की जरूरत है।

(लेख में विचार निजी हैं)

इंटरनेट युग में मानव साम्यता ,उसका तकनीकी कौशल और मनोविज्ञान

अजय दीक्षित

गूगल हेड क्वाटर में कैंपस के लोन की बढ़ी हुई घास काटने के लिए मशीनों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है बल्कि बकरियों को लोन में छोड़ देते हैं ताकि लोन की घास एक सीमा से अधिक नहीं बढ़ सके। ऐसा इस लिए किया जाता है क्योंकि घास काटने की मशीनों से कंपन होता है और उससे कंपनी के कर्मचारियों, अधिकारियों में चिड़चिड़ापन महसूस होता है जो उनकी कार्य क्षमता ब दक्षता को प्रभावित करता है।

मेरे एक मित्र कैलिफोर्निया के शहर लॉस एंजिल्स में रहते और गूगल में सॉफ्ट वेयर इंजीनियर हैं, उन्होंने यह बकाया सुनाया कि बड़ी संस्थान अपने कर्मचारियों के मनोविज्ञान को पढ? और संतुलित करने के लिए क्या क्या नहीं करते हैं। मुझे यह सुनकर अचरज नहीं हुआ क्योंकि यह बात सही है कि संस्थानों में बेहतर व्यवस्था के लिए मनोविज्ञान के चिकित्सक रखे जाते हैं जो समय समय पर बिना परीक्षण किए नए नए तकनीकी कौशल के लिए प्रबंधन को सुझाव देते हैं।यह भी एक मनोविज्ञान है।ये मनो एक्सपर्ट कर्मचारियों, अधिकारियों के घरों का दौरा भी जब करते हैं तब उन्हें ऐसा लगता है कि उक्त कर्मचारी या अधिकारी की कार्य क्षमता ब दक्षता का उपयोग ठीक ढंग से नहीं हो पा रहा है।

ये विशेषज्ञ उनके घर जा कर उनकी पत्नी, बच्चों से बात करते हैं और यहां तक कि पर्दा के रंग, सोफे का रंग, रसोई की स्थिति को भी कंपनी की ओर से बदल बाते है लेकिन मामला कर्मचारियों, अधिकारियों के संज्ञान में लाए बिना। सेनफ्रांसिस्को में अमेजॉन नामक बहुद्देशीय,कंपनी का मुख्यालय है उसने अपने कर्मचारियों, अधिकारियों की कोई ड्रेस नहीं बनाई है न ही प्रबंधन प्रतिदिन इनसे रूबरू होता है और बस क्या कार्य करना यह तय होता है और उसे बड़े बारीकी से जांचा जाता है और तब उसकी क्षमता,का कार्य कार्य जाता है।इन कर्मचारियों अधिकारियों को एक से पांच करोड़ रुपए के पैकेज पर काम दिया गया है।

यूरोपीय देशों में जर्मनी फ्रांस, इटली, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया,अमेरिका, में ऐसा नियमित रूप से होता है। कर्मचारियों अधिकारियों के छुट्टी के दिन तय है और उस दिन उन्होंने किया किया इसका भी परीक्षण किया जाता है।अमेरिका,इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका, फ्रांस इटली

बेल्जियम में क्रायोजेनिक इंजन, बोइंग , लड़ाकू विमानों, रॉकेट, नए नए तकनीकी संचार,बनाए जाते हैं। और इन उत्पादों को बनाने के उन्नत किस्म का माहौल बनाया जाता है

वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर बनाने वाली कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड का मुख्यालय मिलान इटली में है और शहर से 50 किलो मीटर दूर है लेकिन कर्मचारियों, अधिकारियों को सुविधाएं पांच सितारा है।

भारत में कुछ इस प्रकार का माहौल तो नहीं है लेकिन इसरो, आईआईटी, एम्स ने इस दिशा में कुछ कार्य किया है ऐसा पूर्व राष्ट्रपति स्व अब्दुल कलाम ने लिखा भी है कि इसरो के वैज्ञानिकों को सरोद सुबह और वायलिन रात्रि को सोने से पहले बजा कर मेडिटेशन लेने का अनुरोध किया था ताकि

प्रयोगशाला ध्यान विचलित न हो हताशा न आए क्योंकि मिसाइल और उपग्रह ऐसे क्षेत्र हैं जहां सफलता सौ बार असफल होने के बाद भी मिल जाय तो आप प्रवीण्य हो।

लेकिन बढ़ती जनसंख्या दबाव के चलते भारत को अभी दिल्ली दूर ही दिख रही है। मनोविज्ञान कैसा है यह कार्यकुशलता पर प्रभाव पड़ता है। राजनीतिक क्षेत्र में भी

ऐसे नेता जो कम बोलते हैं,सटीक बोलते हैं, जनता से आंखें मिला कर बात करते हैं अधिक सफल होते हैं। एस जयशंकर, राजनाथ सिंह, अश्वनी वैष्णव, पियूष गोयल, शिवराज सिंह, और सबसे बड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सफल नेता हैं।

इस प्रकार की प्रशिक्षण रैली या लोको पायलट, पायलट, फाइटर जेट पायलट की भी होनी चाहिए। देश के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर को भी चिड़चिड़ापन महसूस नहीं होना चाहिए।

आजकल इंटरनेट युग में मोबाइल भी एक जरूरत हो कर परेशानी का कारण भी बन गयी है।अब मिनिट तो मिनिट जानकारी चाहिए। इससे एक सीमा के बाद कोप्त हो जाती है।

घरों में सारगर्भित पेंटिंग लगाना,गमले उगाना ,बेल चढ़ाना,

फूल उगाना , हरसिंगार,रातरानी,मोगरा,की खुशबू से घर को सराबोर करने से सकूं मिलता है। सबसे आश्चर्य यह कि दोपहर को एक घंटे की नीद से कार्य करने की अवधि बढ़ जाती है यह भी एक मनोविज्ञान है। मनुष्य काम (सेक्स)

बिना अधूरा है और उसे यह खुराक आवश्यक है। ऐसा नहीं करने पर कुंठा का जन्म होता है।

अभी अफगानिस्तान में अमेरिका,इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, की सेनाएं युद्ध में थी लेकिन सैनिकों के मनोरंज के लिए अमेरिका से सेक्स वर्कर्स को भेजा गया था और यह सत्य घटना है।

बच्चों को कृष्णोंदु बनने से बचाना होगा

हाल ही में पश्चिम बंगाल के पंसकुरा में 7वीं क्लास में पढ़ने वाले बच्चे ने इसलिए आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसकी मां ने सबके सामने उसको डांट दिया था। बच्चा अपने पीछे एक सुसाइड नोट छोड़ गया है, जो झकझोर देने वाला है। अपने सुसाइड नोट में बच्चे ने लिखा था कि मां मैंने चोरी नहीं की। बच्चे के ये आखिरी शब्द दिल को झकझोर कर रख देने वाले हैं। दरअसल, स्कूल में पढ़ने वाले 13 साल के कृष्णोंदु दास पर एक मिठाई की दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुराने का आरोप लगा था। मिठाई की ये दुकान गोसाईबेर बाजार में एक सिविल वॉलंटियर शुभांकर दीक्षित की थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुभांकर की गैरमौजूदगी में बच्चे ने दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुरा लिए थे। दुकान मालिक ने बच्चे को दुकान से थोड़ी दूर चिप्स के पैकेट के साथ देखा, तो उसके पीछे दौड़ पड़ा। उससे चोरी के बारे में पूछताछ की गई। उसने दुकानदार को पांच रुपये के हिसाब से तीन चिप्स के पैकेट के 15 रु पये दे दिए। इसके बाद भी दुकानदार नहीं माना। वह पैसे लौटाने के बहाने बच्चे को वापस दुकान पर ले गया और उसको मारा-पीटा। इतना ही नहीं, दुकानदार ने बच्चे से सार्वजनिक रूप से माफी भी मंगवाई।

बच्चे के साथ ये सब अभी हुआ ही था कि उसकी मां को जैसे ही इस बारे में पता चला, वह भी उसे फिर से उसी मिठाई की दुकान पर लेकर गई और सबके सामने डांटा। इस बात से 13 साल का लड़का इस कदर आहत हो गया कि घर लौटते ही उसने कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। गंभीर हालत में उसे तुरंत तामलुक मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि बच्चे के कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है। इसमें कृष्णोंदु ने आत्महत्या करने से पहले अपनी नोटबुक में लिखा है कि मां मैंने कुरकुरे नहीं चुराए। मुझे वो सड़क पर पड़े मिले थे। मैंने चोरी नहीं की है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि मिठाई दुकानदार के बर्ताव की वजह से बच्चा ऐसा खौफनाक कदम उठाने को मजबूर हो गया। तब से दुकान मालिक फरार है। परिवार इस बात को भी मान रहा है कि मां के सार्वजनिक रूप से डांटे जाने का भी बच्चे के मन पर गहरा असर हुआ। मां की डांट से बच्चा बहुत दुखी था। यह डांट उसके मन में घर कर गई। वह इस तरह के व्यवहार को सहन नहीं कर सका।

असल में यह घटना उन मां-बाप के लिए किसी सबक से कम नहीं है, जो बात-बात पर सबके सामने अपने बच्चों को बुरी तरह डांट देते हैं, क्योंकि उम्र के इस पड़ाव में बच्चे बहुत ही कोमल और संवेदनशील होते हैं। वह हर बात को अपनी बेइज्जती से जोड़ लेते हैं।

0 अमित बैजनाथ गर्ग

अम्किावाणी-वर्गपहेली 1353

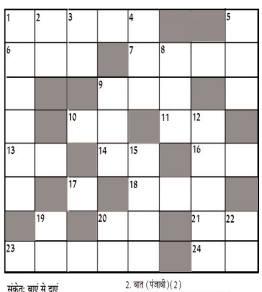

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1857 की क्रांति का पहला क्रांतिकारी जिनके सम्मान में भारत सरकार द्वारा सन् 1984 में एक डाक टिकट जारी किया गया (5)
6. जो नियम के विपरीत हो, जो ठीक न हो (3)
7. यह हंगरी देश की राजधानी है (4)
9. बैचेन, व्याकुल (3)
10. कला आदि सिखलाने वाला व्यक्ति, नवग्रहों में से एक (2)
11. जिसका कद छोटा हो, ठिगना, बौना (2)
13. सूजी, अत्यंत महीन कण (2)
14. पुराणानुसार ये श्रीराम के अनुज भरत के ज्येष्ठ पुत्र थे जिन्होंने गांधार में तक्षशिला नगरी स्थापित की थी (2)
16. गंतव्य स्थान, निशाना (2)
17. शास्त्रीय संगीत में पंचम स्वर (1)
18. परिज्ञात, संज्ञात, विदित, ज्ञात (3)
20. यह वाराणसी का पुराना नाम है (2)
21. बांस आदि का छोटा टुकड़ा (3)
23. इंदीवर, नीलोफर, राजीव (5)
24. केशलता, बालों का गुच्छा जो गाल पर लटके (2)

ऊपर से नीचे

1. किसी मंगल उत्सव में किया जाने वाला नांदी पाठ (6)
2. बात (पंजाबी)(2)
3. दुर्व्यसन, चसका, बुरी आदत, कुर (2)
4. वह किताब या डायरी जिसमें प्रतिदिन की कार्यवाही का विवरण लिखा जाता है (3)
5. धूल या चाक आदि से लिखा हुए को मिटाने वाला (3)
8. फेंकना, छोड़ना, घुसाना (3)
9. ये लेबनान देश की राजधानी है (3)
12. बहाने बाजी, हीला-हवाला (5)
15. क्षमा करने वाला, सहनशील (4)
19. यह कार्य का मात्रक है (2)
20. कार्य, काज, मतलब, उद्देश्य, इंद्रिय सुख की इच्छा (2)
22. पटसन का बना हुआ मोटा कपड़ा (2)

वर्ग पहेली 1352 का हल

स्मृ	ति	मं	धा	ना		पे	रू
ति		दि	न	क	र		चि
ई		थ		में	मैं	ह	
रा	ल		क	द	म		ब
नी	च	ता		म		ग	या
	र	न		हो	शि	या	र
मौ		से		ना	क	ना	
सा	व	न			वा		

एकदा

दिदि ममता के राह में कांटे

पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। भारतीय जनता पार्टी ने युद्ध स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता से सीधे ममता बनर्जी को निशाने पर लेकर जबरदस्त अभियान की रूपरेखा खींच दी है।

इससे संकेत मिलता है कि चुनाव तक आरोपों की धार पिछले चुनाव से भी तीखी हो जाने वाली है। ममता पर राज्य को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, स्त्रियों और हिन्दुओं पर अत्याचार और दुराचार का केंद्र बना देने का आरोप लगाकर गृह मंत्री अमित शाह ने विजय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन में कार्यकताओं का हौसला बढ़ाया। उन्होंने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर राज्य में भ्रष्टाचार, ङ्कषहसा और घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उनके अनुसार दशकों तक हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करने वाले बंगाल में ममता दीदी ने आकर इस भूमि को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, अपराध और हिन्दुओं पर अत्याचार का केंद्र बना दिया। शाह ने कार्यकताओं को जोश दिलाते हुए याद दिलाया कि यह वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की भूमि है। ज्ञान, धर्म, स्वतंत्रता संग्राम समेत हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करने वाले बंगाल में 'मां, माटी, मानुषइ का नारा देकर सत्ता में आने वाली ममता बनर्जी ने बंग भूमि को अपराध, बम धमाकों और हिन्दुओं पर अत्याचार का केंद्र बनाकर रख दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान और तृणमूल कांग्रेस के चुनाव जीतने के बाद भाजपा के अनेक कार्यकताओं की हत्या की गई। बंगाल में ङ्कषहसा आज भी जारी है।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

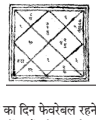

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14 .04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि- आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। अगर आप एक स्टूडेंट हैं तो आपके लिए एक खुशखबरी है कि आज आपको करियर से रिलेटेड कोई शुभ सूचना मिल सकती है। कॉलेज में आपकी एक्टिविटी से आपके दोस्त खुश होंगे।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपको काम को पूरा करने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी नहीं तो आपका काम अधूरा रह भी सकता है। जो लोग आपको अभी तक ताना दे रहे थे आज उनको कुछ कर दिखाने का दिन है। आज आपको संतान की संगति की ओर विशेष ध्यान देना होगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। जो लोग होटल या रेस्टोरेंट जैसे बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिये दिन पहले से बेहतर रहेगा, आज आपका दिन ज्यादा लाभ कमाने का है। आज आपको जीवन और कार्यक्षेत्र दोनों जगहों पर पिता का सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए ठीकझठाक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में उम्मीद से कुछ कम ही लाभ प्राप्त होगा। आज आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे। आज आपके घर पर कुछ मेहमान आ सकते हैं, आपको खुशी होगी।

सिंह राशि- आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आया है। आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा, आपकी मुलाकात कुछ खास लोगों से होगी।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज का दिन आपके फेवर में रहने से आपको खुशी होगी जिस काम का रिजल्ट अभी तक आपको निराश कर रहा था उसमें आपको सफलता मिलने के योग हैं। आज संतान को खुश देखकर आपको भी खुशी होगी।

तुला राशि- आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। बिजनेस कर रहे लोगों की बिक्री आज बढ़ेगी, अधिक आमदनी मिलेगी। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बेहद अच्छा रहेगा, प्रमोशन होने के चांस हैं। बिजनेस के सारे रुके हुए कामों को आज आप पूरा कर लेंगे,

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। बिजनेसमैन आज अपने बिजनेस को और आगे बढ़ाने के लिए किसी दूसरे बड़े व्यापारी से डील फाइनल करेंगे। राजनीति के कामों में आज आप ज्यादा रूचि लेंगे, आपके अच्छे कामों की आज तारीफ होगी। सोशल मीडिया से जुड़कर लोग अपनी अलग पहचान बनायेंगे।

धनु राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको कोई अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह खुशी आपके घर में बेटे के करियर को लेकर हो सकती है। आज ऑफिस में आपको कोई नया काम मिल सकता है, जिसे पूरा करके आपको भी खुशी होगी।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको किसी व्यक्ति से बातचीत करके खुशी मिलेगी साथ ही आप कुछ नया भी सीखेंगे। आज आप कोशिश करेंगे कि आपका व्यवहार सभी के प्रति अच्छा हो और किसी की भावनाओं को भी ठेस न पहुंचे।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको पारिवारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा, आपका सही मार्गदर्शन घर के सभी सदस्यों के दिल में एक-दूसरे के प्रति प्यार बढ़ा देगा। आज किसी को दिए पैसे आपको मिल जायेंगे इससे आपको आर्थिक सपोर्ट मिलेगा साथ ही आप कुछ नया खरीदने का विचार करेंगे।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप ऑफिस में किसी काम को आसानी से करेंगे जिससे आपके जूनियर और सीनियर सभी तारीफ करेंगे, आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा साथ ही आपकी रेस्पेक्ट में भी इजाफा होगा।

मूंगफली के कम उपज के कारण

मानसून का समय पर न आना

इससे एक तो मूंगफली की बोनी में विलम्ब होता है। दूसरा जब यह सितम्बर आखिरी में जाने को होता है तो फसल में नमी पड़ जाती है। जिससे दाने कम भरते हैं व फसल को उखाड़ते समय खेत की मिट्टी कड़ी पड़ जाती है, जिससे कुछ फलियां खेत में ही टूट जाती हैं।

फसल काल में वर्षा की अपर्याप्तता

इससे फसल के तंतु निकलते समय खेत में नमी की कमी आ जाने से कुछ तंतु भूमि में प्रवेश नहीं कर पाते जिससे फलियों की संख्या में कमी आ जाती है।

परंपरागत किस्मों का लगाना

कृषक सदियों से पुरानी किस्में ही लगाता चला जा रहा है। उसके द्वारा नई सुझाई गई किस्में नहीं लगाई जाती, इसलिए भी उपज कम मिलती है।

बीजोपचार को न अपनाना

बीजोपचार कर बीज बोना लाभप्रद है किंतु अधिकांश कृषक आज भी बीजों को बीजोपचार करके नहीं बोते हैं।

पौध संरक्षण को कम अपनाना

कृषक कपास व अन्य फसलों के प्रति जितना सचेत है उतना मूंगफली के प्रति नहीं है। वह इसे अब घर उपयोग की फसल मानने लगा है। इसा कारण इसाकी उत्पादकता कम होती जा रही है।

भूमि का चुनाव

पानी का अच्छा निकास, हल्की से मध्यम रेतीली काशरी सा दोमट भूमि हो। मूंगफली के लिए भुरभुरी मिट्टी सर्वथा उपयुक्त रहती है।

भूमि की तैयारी

तीन साल के अंतराल में एक बार गहरी जुताई अवश्य करें, इसके बाद दो बार देशी हल या कल्टीवेटर चलायें एवं बखर चलाकर, पाटा चलाकर भूमि की तैयारी करें।

आखिरी बखरनी के समय ही 20 –25 टन अच्छी पकी हुई गोबर खाद प्रयोग अवश्य करें चाहिए क्योंकि यह भूमि के अंदर लगने वाली फराल है।

बीज का चुनाव

बीज स्वस्थ्य और उन्नत किस्म का हो, कटा–पिटा नहीं हो। 100–120 किलोग्राम/हेक्टर खाने बोने से पौध संख्या 3,33,000 के लगभग प्राप्त होती है।

उन्नत जातियां

तालिका–1: मूंगफली की प्रमुख जातियां

जातियां :– फूले प्रगति, जूनागढ़–11, एके 12–24,गंगापुरी,ज्योति, जेजीएन–3,जेजीएन–23

बीजोपचार

2 ग्राम थायरम या 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम दवा प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें या जैविक उपचार ट्रायकोडर्मा 5 ग्राम चूर्ण प्रति 1 किलो बीज की दर से उपयोग करें। इसके बाद 5 ग्राम प्रति किलो बीज के मान से रायजोबियम कल्चर से भी उपचार करें।

कल्चर का प्रयोग

मूंगफली फसल में राइजोबियम कल्चर का प्रयोग अवश्य ही करें। क्योंकि मूंगफली की जड़ों में जो गठानें बनती हैं, इनमें वातावरण की नत्रजन को ज्यादा मात्रा में स्थिर करती है जिससे फसल व भूमि दोनों का फायदा होता है। कल्चर से उपचार के पहले बीजों को फफूंदनाशी दवा से उपचारित करें। इसके बाद राइजोबियम कल्चर के पांच पैकेट प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें। इसको लगाने के लिए 5 प्रतिशत गुड़ का घोल बनाकर फिर उसे ठंडा करें, इसके बाद कल्चर को उसी में मिलाकर फिर बीजों में डालकर हल्के से मिला लें। इसी प्रकार इसके बाद पी.एस.बी. (स्फुर घोलक जीवाणु) से भी उपचारित करें, या फिर खाद में जब फसल लगभग 20–30 दिन की हो जाये तब इसकी 5 किलोग्राम मात्रा+5 किग्रा राइजोबियम को 100 किग्रा गोबर खाद में मिलाकर रात भर रखा रहने दिया जावें तथा इसे दूसरे दिन एक हेक्टेयर के खेत में सुविधानुसार कतारों में डाल दें। कल्चर का प्रयोग इसी विधि से खेत की आखरी बखरनी के समय भी कर सकते हैं। इनका इस तरह प्रयोग करने से स्फुर की 25–30 प्रतिशत मात्रा कम की जा सकती है।

बोनी का समय एवं तरीका

वर्षा प्रारंभ होने पर जून के मध्य से लेकर जुलाई के प्रथम सप्ताह तक बोनी करें। बोनी कतारों में सरता, दुफन या रिफन से लगभग 4 सेमी गहराई पर करें। कतार से कतार की दूरी 30 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 8–10 सेमी रखें

खाद एवं उर्वरक

भूमि की तैयारी के समय गोबर खाद 20–25 टन प्रति हेक्टर प्रयोग करें। उर्वरक के रुप में 43 किलो यूरिया, 33 किलो न्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टर आधार रुप में देना चाहिए। यदि खेत में गोबर खाद तथा पीएसबी का प्रयोग किया जाता है तो स्फुर की मात्रा 300 किलो सिंगल सुपर फास्फेट किलो प्रति हेक्टर की जगह मात्र 250 किलो प्रति हेक्टर ही पर्याप्त है। खाद की पूरी मात्रा आधार खाद के रुप में प्रयोग करें। मूंगफली फसल में गंधक का विशेष महत्व है। इसलिए 25 किलो प्रति हेक्टेयर के मान से गंधक अवश्य दिया जाना चाहिए। यदि यूरिया की जगह अमोनियम सल्फेट तथा फास्फेट के रुप में सिंगल सुपर फास्फेट का प्रयोग किया जाता है तो गंधक पर्याप्त मात्रा में मिल जाता है अन्यथा 2 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से जिप्सम या पाइराइटस का उपयोग आखिरी बखरनी के साथ करें। साथ ही 25 किग्रा/हेक्टर के मान से तीन साल के अंतर पर जिंक सल्फेट का प्रयोग अवश्य करें।

फसल की देखरेख में कम प्राथमिकता

कृषक मूंगफली को वह चाहे अच्छी उर्वरता वाली भूमि में लगाना हो या सिंचाई करना हो या पौध संरक्षण करना हो, खरपतवार नियंत्रण करना आदि में कपास की तुलना में बहुत कम प्राथमिकता देता है।

फसल में 40-45 दिन बाद अंतःकर्षण क्रियाएं न कर पाना

मूंगफली में बोनी के 40–45 दिन बाद कर्षण क्रियाएं नहीं की जा सकती। इसलिए इसकी निंदाई–गुड़ाई आदि कार्य बंद हो जाते हैं। इसका भी उपज पर बहुत प्रभाव पड़ता है।

अनुशंसित एवं संतुलित पौध पोषण न देना

कृषकों द्वारा इस फसल में खाद व उर्वरक की अनुशंसित मात्रा का संतुलित उपयोग नहीं किया जाता इसका बहुत अधिक प्रभाव उपज पर पड़ता है।

सिंचाई

सिंचाई की सुविधा होने पर सूखे की अवस्था में पहला पानी 50–55 दिन में तंतु निकलने पर तथा दूसरा पानी 70–75 दिन में दाना भरते समय दें।

फसल कटाई

जैसे ही फसल पीली पड़ने लगे तथा प्रति पौधा 70-80 प्रतिशत फली जम जावे उस समय पौधों के उखाड़ लें। फलियों को धूप में इतना सुखावें कि नमी 8-10 प्रतिशत रह जावे तभी बोरों में रखकर भण्डारण नमी रहित जगह पर करें। भण्डारण के पूर्व बोरों को 1 प्रतिशत मैलाथियान के घोल में लगभग 25-30 मिनिट डुबोकर सुखा लें। तत्पश्चात फलियों को बोरों में सुरक्षित भण्डारण करें। समय समय पर इसकी देखभाल करें।

उपज

समयानुकूल पर्याप्त वर्षा होने पर खरीफ में मूंगफली की उपज लगभग 15 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टर तक ली जा सकती है।

अरहर की कृषि कार्यमाला

भारत में अरहर की खेती लगभग 35 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में की जाती है तथा चने के बाद अरहर दूसरी प्रमुख दलहनी फसल है।

खेत का चयन

ऐसे खेत का चयन करें जिसमें पिछले वर्ष अरहर न उगाई गई हो। यदि किसी कारणवश ऐसा खेत चुना जाय तो यह ध्यान दें कि वही किस्म उगाई गई हो और उसकी आनुवांशिक शुद्धता तथा रोगों की स्थिति प्रमाणीकरण मानकों के अनुरुप थी। खेत में जल निकास की अच्छी व्यवस्था हो।

पृथक्करण दूरी

अरहर में आधार बीज उत्पादन के लिए 200 मीटर तथा प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए 100 मी. पृथक्करण दूरी आवश्यक होती है।

खेत की तैयारी

खेत को एक बार मिट्टी पलटने वाले हल से और 2–3 बार हैरो चलाकर तैयार कर लिया जाता है। अंतिम जुताई से पूर्व दीमक की रोकथाम के लिए 20 किग्रा/ हे. की दर से क्लोरोपाइरीफास भूमि में मिला दें।

बुवाई :

यदि सिंचाई की सुविधा हो तो बुवाई जून के प्रथम सप्ताह में, अन्यथा जून के अंतिम या जुलाई के प्रथम सप्ताह में करें। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60–75 सेमी तथा पौध से पौध की दूरी 25–30 सेमी रखी जाये।

बीज 12–15 किग्रा प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है। बीजों को बोने से पूर्व फंफूदनाशक तथा कल्चर से उपचारित कर लें।

उर्वरक

अरहर की बीज फसल के लिए 40 किग्रा. यूरिया, 315 किग्रा. फास्फोरस, 66 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के समय दें।

सिंचाई

आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। यदि फूल आने के समय वर्षा न हो तो सिंचाई आवश्यक है।

खरपतवार नियंत्रण

बुवाई के 40–45 दिन के भीतर 1–2 बार निंदई–गुड़ाई करने से खरपतवार नहीं पनपते। बुवाई के 72 घंटे के अंदर 3 किग्रा लासो दवा 1000 ली. पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। अथवा 1.5 लीटर पेंडीमिथालीन 30 ईसी मात्रा 150–200 लीटर पानी में घोलकर भूमि में छिड़काव करें।

अवांछनीय पौधों को निकालना

अरहर की बीज फसल से दो बार पुष्पन तथा परिपक्व अवस्था पर भिन्न पौधों को फूलों के रंग, आकार, पत्तियों, शाखाओं व फलियों के लक्षणों के आधार पर पहचान कर निकालें। इसके साथ ही रोगग्रस्त पौधे निकालकर दबा या जला दिये जाते हैं।

फसल सुरक्षा

कटाई-गहाई

जब अधिकांश फलियां पक जायें तो पौधों को काटकर 8–10 दिन खेत में ही सूखने के लिये छोड़ देना चाहिए। इसके बाद डंडे से पीटकर या जमीन पर पटक कर दाने निकाल लें। बीज को 4–5 दिन धूप में सुखाकर (8–9 प्रतिशत नमी स्तर तक) साफ बोरों में भरकर भंडारित करें।

उपज

उन्नत किस्मों के प्रयोग तथा उचित शस्य क्रियाओं का ध्यान रखने पर 20–22 क्वि./हे. बीज उपज प्राप्त की जा सकती है।

कोरिया

धरती आबा की प्रचार प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कोरिया बैकुंठपुर - कोरिया जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान १५ जून से आरम्भ हुई है, जो ३० जून तक चलेगी। जिले के १५४ ग्रामों का चयन किया गया है। धरती आबा जनभागीदारी अभियान जागरूकता एवं लाभ संतृप्तिकरण शिविर के लिए रथ को अपर कलेक्टर अरुण कुमार मरकाम, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना रजवाड़े, सोनहत के विधायक प्रतिनिधि रामप्रताप मरावी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन शिविरों में ग्रामीणों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति/निवास प्रमाण पत्र, पेंशन योजनाएं, आयुष्मान भारत कार्ड, उज्वला गैस कनेक्शन, जनधन खाता, पीएम किसान निधि, मुद्रा लोन, विश्वकर्मा योजना समेत लगभग १७ योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को प्रदान किया जाएगा। इस अवसर गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री ने किया मेधावी श्रमिक पुत्री वंदना का सम्मान

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। रायपुर के न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाइन में एक गरिमामय आयोजन में श्रमिक परिवारों के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत किया गया था, जिसमें बोर्ड परीक्षा (10वीं एवं 12वीं) में टॉप 10 स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से 1 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री, श्रम मंत्री एवं भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की प्रतिभावान छात्रा कुमारी वंदना सिंह पिता रामपाल सिंह, निवासी ग्राम नौढिया, विकासखंड भरतपुर को भी 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। सम्मान से न केवल छात्रा वंदना सिंह का मनोबल बढ़ा है, बल्कि जिले के अन्य श्रमिक परिवारों के बच्चों को भी आगे बढ़ने और शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा मिली है।

विकासित भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का स्वर्णिम काल-रामसेवक पैकरा

कोरिया बैकुण्ठपुर - भारतीय जनता पार्टी, जिला कार्यालय बैकुण्ठपुर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ११ वर्ष पूर्ण होने पर प्रेसवार्ता के माध्यम से केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं मोदी सरकार के विजन के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रमुख वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, विधायक रेणुका सिंह, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, निवर्तमान जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, राजेश सिंह, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, विनोद साहू, जिला मंत्री बसंत राय, जिला सह मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, योगेन्द्र सिंह, पूर्व नपाध्यक्ष कुन्ती चक्रधारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हितेश प्रताप सिंह उपस्थित रहें। वन विकास निगम बोर्ड के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि, देश के इतिहास में मोदी सरकार का कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा, यह कार्यकाल विकासित भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का स्वर्णिम काल बन रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ११ वर्ष की यह यात्रा मोदी जी ने १४० करोड़ देशवासियों के परिश्रम,त्याग और सपनों को सकार करने की दिशा निरंतर कार्य कर देश को आत्म निर्भर भारत बनाने की दिशा बढ़ रहा है।

फांसी पर झूलता मिला युवक-युवती का शव

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। युवक-युवती का शव पेड़ में फांसी के फंदे पर झूलता पाए जाने पर मनेंद्रगढ़ पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना की जा रही है।

रविवार को मनेंद्रगढ़ पुलिस को ग्राम पंचायत बाला में बेहलिया घाघी नदी के किनारे चार के पेड़ में साड़ी से फांसी के फंदे पर 2 अज्ञात युवक-युवती का शव झूलते पाए जाने की सूचना मिली। सूचना पर मनेंद्रगढ़ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव के शिनाख्त के लिए आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की। सरईपानी घुटरा निवासी चंद्रप्रताप सिंह ने युवक के शव की शिनाख्त अपने भाई अमर सिंह पिता प्रेम सिंह गोंड़ 24 वर्ष के रूप में की। वहीं मृतका की शिनाख्त फाटपानी घुटरा निवासी भगवान सिंह के द्वारा अपनी पुत्री चंपा बाई 20 वर्ष के रूप में की गई। जांच में सामने आया कि दोनों मृतक युवक-युवती एक साथ मजदूरी करते थे। 12 जून की रात 11 बजे दोनों अपने घर से निकले थे और इसके बाद वापस घर नहीं लौटे। परिजनों द्वारा उनकी खोजबीन की जा रही थी। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम-प्रसंग का लगता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

तेज आंधी से तहसील कार्यालय परिसर में गिरा पुराना नीम का पेड़

कोरिया बैकुंठपुर। रविवार की दोपहर शहर में अचानक तेज हवाओं के साथ मौसम ने करवट ली। दोपहर करीब ४ बजे के आसपास आई तेज आंधी से शहर के कई इलाकों में पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचा। इसी दौरान बैकुंठपुर स्थित तहसील कार्यालय परिसर में वर्षों पुराना एक नीम का विशालकाय पेड़ आंधी के झोंकों से धराशायी हो गया। पेड़ की जड़ें कमजोर होने के कारण वह पूरे बल से सामने की ओर गिर गया। गनीमत रही कि इस दौरान वहां कोई कर्मचारी या आम नागरिक मौजूद नहीं था, अन्यथा किसी प्रकार की जनहानि की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता था। पेड़ गिरने से आसपास के क्षेत्र में कुछ समय के लिए आवागमन भी बाधित हो गया। पेड़ के गिरने से विद्युत आपूर्ति या किसी अन्य बड़ी क्षति की खबर नहीं है, लेकिन यह घटना यह संकेत देती है कि शहर में कई पुराने और कमजोर हो चुके पेड़ समय रहते हटाए नहीं गए हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर एसईसीएल ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व रक्तदाता दिवस के शुभ अवसर पर ह्यद्गष्घ्य बैकुंठपुर क्षेत्र के तत्वाधान में कोयला मजदूर सभा ।।रूरू श्रम संगठन के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन ह्यद्गष्घ्य डिस्पेंसरी बैकुंठपुर में आयोजित किया गया रक्तदान शिविर का उद्घाटन राजेंद्र कुमार महाप्रबंधक (संचालन) बैकुंठपुर क्षेत्र एवं डॉ. आयुष जायसवाल सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर जिला कोरिया के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में सीएमओ क्षेत्रीय चिकित्सालय चरचा डॉ. संजय सिंह ,क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक एल. के. तिर्की, स्टाफ ऑफिसर ई एंड एम श्री दास, डॉ. रोहित, ।।रूरू के महामंत्री योगेन्द्र कुमार मिश्र ,कार्मिक प्रबंधक गौरव दुबे,।।रूरू के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजेश अग्निहोत्री, रमेश जायसवाल,।।रूरू कटकोना अध्यक्ष अजय सिंह ।।रूरू पांडवपारा के सचिव राजदेव राम ।।रूरू चरचा वेस्ट के अध्यक्ष अशोक कुमार निर्मलकर,सचिव महेश कुमार , क्षेत्रीय मुख्यालय बैकुंठपुर के अध्यक्ष आशीष शुक्ल , गोपाल नारायण,देवेंद्र जायसवाल, मोहन बी. पी, संदीप उरांव, मुकेश कुमार,नीरज ठाकुर,संतोषकुमार, कुशल सिंह, रवि राजवाड़े ,मोहन सिंह अमन सिंह, राजन सिंह , भानु प्रताप, अविनाश शर्मा , चंद्र शेखर महतो, प्रवीण खलखो, विकास कुमार, अमन वर्मा, रवि कुर्रे, केशरी नंदन टीम के सभी सदस्य, कमलेश गुप्ता , सनी सिंह , राकेश चक्रधारी, विक्की सावरे, अवधेश राजवाड़े , कौशल चंद्रा, राजेंद्र कुमार महाप्रबंधक (संचालन) बैकुंठपुर क्षेत्र ने सर्व प्रथम उद्घाटन करने के बाद रक्तदान किए उनके बाद कोयला मजदूर सभा के महामंत्री योगेन्द्र कुमार मिश्र ने रक्तदान किया योगेन्द्र कुमार मिश्र वर्ष १९९१ से पीजी कालेज अम्बिकापुर में अध्ययन करते समय कॉलेज में खबर आया तो पहली बार होली क्रॉस हॉस्पिटल अम्बिकापुर में अपने साथी प्रदीप मिश्रा जो अभी भोपाल में डीएसपी है उनके साथ जाकर दोनों ने रक्तदान किया था उसके बाद लगातार प्रत्येक वर्ष रक्तदान कर रहे हैं साथ ही अपने श्रम संगठन कोयला मजदूर सभा (हिन्द मजदूर सभा) के द्वारा प्रत्येक वर्ष १४ जून को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रक्त दान शिविर का आयोजन कराते है साथ अपने आपको सौभाग्य शाली मानते है की विश्व रक्तदाता दिवस के दिन उनका जन्मदिन है।

रक्तदाताओं की सूची... १. राजेंद्र कुमार २ योगेन्द्र कुमार मिश्र ३. देवेन्द्र कुमार जायसवाल४. गोपाल नारायण यादव.५ अभिषेक द्विवेदी ६ मोहन सिंह ७. महेश कुमार ८ राजदेव राम ९ मोहन बीपी १०अशोक निर्मलकर ११. संदीप उरांव १२. नीरज ठाकुर.१३ संजय राय १४ मुकेश कुमार १५ भानु प्रताप १६अविनाश शर्मा १७ प्रवीण खलखो १८. राजन प्रसाद सिंह १९. चंद्र शेखर महतो २० अमन कुमार सिंह २१. रवि कुर्रे २२. अमन वर्मा २३ अहमद रजा २४ विपिन सिंह २५, कमलेश गुप्ता २६ अभिजीत दुबे २७, कौशल चंद्रा २८ संतोष कुमार २९.विपिन कुमार ३० विष्णु ३१ दारा सिंह ३२ सुमित लाल ३३ शुभम राजवाड़े ३४ धर्मराज ३५ मनीष ३६ अनीश कुमार सिंह ३७ अजय सेन ३८ सुनील यादव ३९ नितेश साहू ४० महेश देवांगन उपस्थित रहे।

मोदी सरकार के 11 सालों के कार्यकाल ऐतिहासिक है-रामसेवक पैकरा

डिजिटल इंडिया ने नए भारत की नींव को मजबूत किया है-विधायक रेणुका सिंह

कोरिया बैकुण्ठपुर - संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के तहत प्रोफेशनल्स मीट एवं प्रदर्शनीय कार्यक्रम सांस्कृतिक भवन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अतिथियों ने भारत माता, पं.दीनदयाल उपाध्यक्ष एवं डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के छायाचित्र पर द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, विधायक रेणुका सिंह, वक्ता नरेन्द्र सोनी, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, निवर्तमान जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, राजेश सिंह, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, विनोद साहू, जिला मंत्री बसंत राय, जिला सह मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, अरूण जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, जिला पंचायत सदस्य शिव कुमारी सोनपाकर, जनपद अध्यक्ष आशादेवी सोनपाकर, पूर्व नपाध्यक्ष कुन्ती चक्रधारी, नगर पंचायत उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, अमित श्रीवास्त उपस्थित रहें। वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अमृत काल में देश हर क्षेत्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान , टेकनोलॉजी और पर्यावरण में लगातार प्रगति कर रहा है, हमारा लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली भारत बनाना है जो विश्व मंच पर मजबूती से अपनी आवाज बुलंद करेंगा। यह अमृत काल महिला सशक्ति करण का युग है, उज्जवला और मुद्रा योजनाओं से माताओं-बहनों को असली ताकत मिली है, मोदी जी ने महिलाओं को राष्ट्र की शक्ति माना है, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री आवास योजनाओं से सरकार का फोकस अंतिम व्यक्ति तक है। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा,स्वास्थ्य मजबूती राष्ट्रीय नीतियां, बेहतर प्रशासन, पारदर्शिता और डिजिटल इंडिया को प्राथमिकता दी है, डिजिटल इंडिया के माध्यम से गांव-शहर तक तकनीक पहुंची है, जिससे नवाचार और युवा उद्यमिता को बढ़ावा मिला है। भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने कहा कि, मोदी सरकार के पिछले ११ वर्षो में जहां नारी शक्ति विकास की परिधि से निकलकर केन्द्र में आई है, मध्यम वर्ग को रोजमर्रा की जिंदगी में सम्मान मिला है और साहसिक सुधारों ने व्यापार को नई उड़ान दी है वहीं डिजिटल इंडिया ने नए भारत की नींव को मजबूत किया है, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात ३४ गुना बढ़कर २३,६२२ करोड़ तक पहुंच गया है साथ ही स्वदेशी हेलीकॉप्टर प्रचंड मिसाइल सिस्टम आकाश और ब्रम्होस का इस्तेमाल कर सेना ने अपने दुश्मनों को तबाह कर दिया, मोदी जी के साहस और दरदर्शी विजन के चलते ही भारतीय सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर (७ मई २०२५) में पीओके और पाकिस्तानी धरती पर ९ आतंकवादी कैंप और ११ एयर बेस ताबह किए गए। पिछले कांग्रेस सरकार के शासनकाल में देश ने वो भयावह दिन देखे है जब एक के बाद एक आतंकी हमले होते थे, और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रहती थी, मुम्बई २६/११ हमला हो, पुणे की जर्मन बेकरी, दिल्ली हाईकोट या हैदराबाद का दिलसुखनगर हर जगह लहूलुहान भारत, और दिल्ली का सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार सिर्फ शोक संदेश भेजती थी, वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में भारत की नीति में एक ऐतिहासिक बदलाव आया है अब भारत सुनता नही है, अब सीधा जवाब देता है, भारत की सैन्य ताकत और राजनीतिक इच्छाशक्ति को दुनिया के सामने रखा है। भाजपा की सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि, आतंक के खिलाफ सिर्फ बाते नहीं, ठोस कदम भी उठाए जाते है, अब भारत डरता नही है अब भारत डटकर जवाब देता है। वक्ता नरेन्द्र सोनी ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की उपलब्धियों और निर्णयों ने यह साफ कर दिया है कि भारत आज एक नई दिशा में, नए आत्मविश्वास और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, सशक्त भारत-सुरक्षित भारत अग केवल एक विचार नहीं, बल्कि मोदी सरकार की नीति, नीयत और नेतृत्व का ठोस और जीवंत प्रमाण बन चुका है। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि, डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं, सरकार ने छत्तीसगढ़ नक्सलवाद मुक्त अभियान की दिशा कठोर कदम उठाया है आज बस्तर में विकास को नई रफ्तार दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के ११ सालों का कार्यकाल कई मायनों में ऐतिहासिक है। उनके दूरदर्शिता पूर्ण नेतृत्व में देश ने समावेशी विकास, समृद्धि और खुशहाली के नये दौर में कदम रखा है।

शाला प्रवेशोत्सव आज

नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर होगा अभिनंदन

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। 16 जून को जिले भर में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही शिक्षा सत्र 2025-26 की नई शुरूआत होगी। प्रवेश उत्सव के दिन विद्यालय परिवार द्वारा जनप्रतिनिधियों, शाला विकास समिति, पालकों एवं स्थानीय गणमान्य नागरिकों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। पात्र हितग्राहियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों, गणवेश एवं साइकिल का वितरण किया जाएगा। नन्हे-मुन्ने नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर एवं अभिनंदन कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रवेश उत्सव के दिन न्योता भोज का भी आयोजन होगा। विद्यालय परिवार द्वारा बोर्ड परीक्षा या स्थानीय परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा, साथ ही शिक्षण में सहयोग देने वाले उत्कृष्ट पालकों को भी सम्मानित कर प्रेरित किया जाएगा। यह सभी गतिविधियां शाला परिवार की ओर से छात्र हित में व्यक्तिगत रुचि लेकर संपन्न कराई जाएंगी, जिससे शिक्षा सत्र 2025-26 में जिले को उल्लेखनीय शैक्षिक उपलब्धियां प्राप्त हो सकेंगी।

विज्ञापन

बैकुंठपुर स्थित फर्म "श्री नरेंद्र कमर्शियल"
डिस्ट्रीब्यूटर - M.D.H. मसाले को सेल्स Representative (S.R.) की अतिशीघ्र आवश्यकता है,

* S.R. की नियुक्ति M.D.H. मसाले के कंपनी पे-रोल पर रहेगी।
* सैलरी - योग्यतानुसार
* बायो डाटा के साथ अतिशीघ्र सम्पर्क करें,
* स्थानीय युवकों को वरीयता

पता - "श्री नरेंद्र कमर्शियल" मिश्रा काम्प्लेक्स, भांड़ी, मेन रोड, बैकुंठपुर जिला कोरिया (छत्तीसगढ़)
संपर्क नंबर - 9340945160, 8889909241

शिविर में ग्रामीणों ने हितग्राहीमूलक सेवाओं का उठाया लाभ

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के मनेंद्रगढ़ अनुविभाग के चिह्नांकित ग्राम बुंदेली में शासकीय योजनाओं के 100 प्रतिशत क्रियान्वयन एवं पूर्ण सैचुरेशन के लक्ष्य को लेकर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य था कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पहुँचे, ताकि किसी भी योजना से कोई भी पात्र नागरिक वंचित न रह जाए। बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों ने शिविर में पहुंचकर अपने दस्तावेज अद्यतन करवाए, योजनाओं की जानकारी ली और विभिन्न हितग्राहीमूलक सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में राजस्व विभाग, पंचायत विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, समाज कल्याण विभाग, उद्यानिकी विभाग, श्रम विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग तथा आधार कार्ड संशोधन हेतु सीएससी की टीमें उपस्थित रहीं। इन विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने मौके पर ही पात्र हितग्राहियों के साथ संवाद स्थापित कर योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया और पंजीयन से लेकर लाभ दिलाने की दिशा में तत्परता से कार्य किया। शिविर की प्रगति पर यदि नजर डालें तो आज के प्रमुख कार्यों में शामिल रहा कि दोपहर 3 बजे तक 54 आधार कार्ड में संशोधन एवं अपडेटेशन की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी थी। इसके अतिरिक्त कई नागरिक और भी संशोधन हेतु प्रतीक्षा में थे जिनका कार्य आगे जारी रहा। वहीं कुल 32 नए आयुष्मान कार्ड बनाए गए और साथ ही सिकल सेल स्क्रीनिंग का कार्य भी शिविर स्थल पर ही किया गया, जिससे संभावित सिकल सेल पीड़ितों की पहचान की जा सके और उन्हें समय पर चिकित्सा परामर्श मिल सके। जाति प्रमाण पत्र हेतु 5 आवेदन शिविर में प्राप्त हुए, जिन्हें विभाग द्वारा प्रक्रिया में लिया गया है। साथ ही वन अधिकार पत्र जिनकी प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, उनके वितरण के लिए आगामी 15 दिवस का लक्ष्य तय किया गया है, ताकि पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध तरीके से अधिकार पत्र सौंपे जा सकें। पशुपालन विभाग को शिविर में कुल 23 आवेदन प्राप्त हुए, जो विभिन्न पशु-कल्याण, अनुदान तथा चिकित्सा सेवाओं से संबंधित थे। इन आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन विभागीय अमले द्वारा दिया गया। शिविर के समापन उपरांत सभी उपस्थित विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें उनके द्वारा की गई कार्यवाही की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिया गया कि आगामी 15 दिवसों के भीतर अपने-अपने विभागीय लक्ष्यों की पूर्णता सुनिश्चित करें। अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा गया कि शासन की मंशा है कि ग्राम बुंदेली को योजनाओं के पूर्ण सैचुरेशन की दिशा में आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जाए। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन द्वारा आयोजित इस शिविर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मांग की कि ऐसे शिविरों का आयोजन नियमित रूप से किया जाए, जिससे अंतिम पंक्ति तक बैठे व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिल सके।

इन विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शिविर से रहे नदारत

शिविर में पीएचई विभाग, सीएसईबी, शिक्षा विभाग, वन विभाग एवं मत्स्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शिविर में अनुपस्थित रहे, जिससे संबंधित योजनाओं की समीक्षा और लाभ वितरण प्रभावित रहा। संबंधित विभागों को आगामी शिविरों में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्देशक पूर्वाज, जो शुक्रा, मातारानी मौनामीदी और ए मास्टरपीस जैसी फिल्मों में अपनी अनूठी कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं, अब किलर नामक एक महत्वाकांक्षी विज्ञान-फाई एक्शन थ्रिलर का निर्देशन कर रहे हैं। प्रभावशाली रूप से, पूर्वाज न केवल निर्देशन कर रहे हैं, बल्कि फिल्म में मुख्य भूमिका भी निभा रहे हैं।

फिल्म में ज्योति पूर्वाज मुख्य भूमिका में हैं, जबकि विशाल राज, दशरथ, चंदू और गौतम अन्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं। किलर का निर्माण थिंक सिनेमा द्वारा मर्ज एक्सआर और एयू एंड आई के सहयोग से किया जा रहा है। यह पूर्वाज, प्रजय कामथ और ए. पद्मनाभ रेड्डी के सहयोग से दूसरी परियोजना है।

Sport अम्बिकावाणी 07

बैकुण्ठपुर, सोमवार 16 जून, 2025

टेस्ट क्रिकेट: रविंद्र जडेजा का इंग्लैंड के खिलाफ कैसा रहा है प्रदर्शन? जानिए आंकड़े

नईदिल्ली,15 जून। टेस्ट क्रिकेट में रविंद्र जडेजा का इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ प्रदर्शन हमेशा चर्चा में रहा है। गेंद और बल्ले दोनों से उन्होंने कई अहम मौकों पर भारतीय क्रिकेट टीम को फायदा पहुंचाया है।

अब 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है, ऐसे में जडेजा एक बार फिर अहम भूमिका में नजर आ सकते हैं।

ऐसे में आइए इंग्लैंड के खिलाफ उनके आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ जडेजा ने पहला टेस्ट मैच साल 2012 में खेला था।

उन्होंने अब तक 20 टेस्ट मैच खेले हैं और इसकी 37 पारियों में 32.57 की औसत से 70 विकेट लेने में सफल रहे हैं।

इस स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी ने इस दौरान 2 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं। उनका इस टीम के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/48 का रहा है।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम (93) के बाद सबसे ज्यादा विकेट इंग्लैंड के खिलाफ ही लिए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ जडेजा ने 20 टेस्ट मैचों की 33 पारियों में 2 बार नाबाद रहते हुए 33.25 की औसत से 1,031 रन बनाए हैं।

उनके बल्ले से 2 शतक और 6 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 112 रन रहा है।

जडेजा ने अपने टेस्ट करियर में सिर्फ इंग्लैंड के खिलाफ ही 1,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके बल्ले से 705 रन निकले हैं।

इंग्लैंड में जडेजा ने पहला टेस्ट साल 2014 में खेला था।

उन्होंने वहां 12 मुकाबले खेले हैं और इसकी 21 पारियों में 43.48 की खराब औसत से सिर्फ 27 विकेट लिए हैं।

उनके नाम एक भी 5 विकेट हॉल नहीं है और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/79 का रहा है।

बल्लेबाजी में जडेजा ने 23 पारियों में 29.18 की औसत से 642 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 3 शतक और 13 अर्धशतक निकले हैं।

उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 104 रन है।

इस खिलाड़ी ने अपना पहला टेस्ट मैच साल 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ ही खेली था।

उन्होंने अब तक 80 मुकाबले खेले हैं और इसकी 150 पारियों में 24.14 की औसत से 323 विकेट लेने में सफल रहे हैं।

उन्होंने 13 बार 4 विकेट हॉल और 15 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/42 का रहा है।

बल्लेबाजी में इस खिलाड़ी ने 118 पारियों में 34.74 की औसत से 3,370 रन बनाए हैं।

टेस्ट क्रिकेट: इंग्लैंड में भारत के खिलाफ इन बल्लेबाजों ने बनाए हैं सबसे ज्यादा रन

नईदिल्ली,15 जून। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की धरती पर भारतीय गेंदबाजों को कई दिग्गज बल्लेबाजों ने कड़ी चुनौती दी है। समय-समय पर कुछ बल्लेबाज ऐसे भी रहे हैं जिन्होंने भारत के खिलाफ जमकर रन बनाए और भारतीय क्रिकेट टीम की मुश्किलें बढ़ाई हैं।

अब जब 20 जून से भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है तो आइए नजर डालते हैं उन बल्लेबाजों पर जिन्होंने इंग्लैंड में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाए हैं।

इस सूची में पहले स्थान पर इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट हैं।

उन्होंने इंग्लैंड में भारत के खिलाफ पहला मुकाबला साल 2014 में खेला था।

इस खिलाड़ी ने अब तक 15 मुकाबले खेले हैं और इसकी 25 पारियों में 74.95 की उम्दा औसत के साथ 1,574 रन बनाए हैं।

उनके बल्ले से 7 शतक और 5 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 180* रन है।

भारतीय गेंदबाजों के लिए इस बार भी रूट बड़ी चुनौती होंगे।

इस सूची में दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज सलामी बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक हैं।

उन्होंने भारत के खिलाफ इंग्लैंड में अपना पहला टेस्ट 2007 में खेला था और आखिरी बार 2018 में मैदान पर उतरे थे।

कुक ने 17 मैचों की 28 पारियों में 44.29 की औसत से 1,196 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 5 अर्धशतक निकले।

उनका सर्वोच्च स्कोर 294 रन रहा, जो आज भी यादगार है।

तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के पूर्व स्टार बल्लेबाज ग्राहम गूच हैं, जिन्होंने अपने दौर में भारत के खिलाफ इंग्लैंड में शानदार प्रदर्शन किया था।

उन्होंने 10 टेस्ट मैचों की 17 पारियों में 66.70 की उम्दा औसत से 1,134 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 शतक और 4 अर्धशतक जड़े थे।

1990 में लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेली गई उनकी 333 रन की ऐतिहासिक पारी आज भी टेस्ट इतिहास के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर में गिनी जाती है।

चौथे स्थान पर इंग्लैंड के तकनीकी रूप से बेहद दक्ष बल्लेबाज रहे इयान बेल का नाम आता है।

उन्होंने भारत के खिलाफ इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 52.15 की औसत से 991 रन बनाए थे।

इस दौरान उनके खाते में 3 शतक और 3 अर्धशतक शामिल रहे। बेल का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 235 रन था।

अपने शांत स्वभाव और जबरदस्त बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाने वाले बेल ने भारत के खिलाफ कई अहम पारियां खेलीं थी।

इंग्लैंड दौरे के लिए बीसीसीआई ने किया नए कोच का ऐलान, गौतम गंभीर की लेंगे जगह

स्पोर्ट्स डेस्क : शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम इस समय इंग्लैंड दौरे पर है, जहां टीम को इंग्लिश टीम के खिलाफ २० जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। टीम के साथ हेड कोच गौतम गंभीर भी इंग्लैंड गए थे, लेकिन मां को दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्हें भारत वापस लौटना पड़ा। गंभीर की गैरमौजूदगी में अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण टीम की तैयारियों की देखरेख के लिए अंतरिम कोच के तौर पर मैदान में उतरे हैं।

'रेवस्पोर्ट्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, लक्ष्मण को हेडिंग्ले टेस्ट के लिए जिम्मेदारी संभालने को कहा है। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख लक्ष्मण भारत की अंडर-१९ टीम के यूनाइटेड किंगडम के एक महीने के दौरे से पहले ही लंदन में हैं। ऐसे में वह जल्द ही टीम के साथ जुड़ सकते हैं। गंभीर कब टीम से जुड़ेंगे, इसको लेकर फिलहाल कोई स्पष्टता नहीं है। लेकिन उनकी गैरमौजूदगी में सहायक कोच सीतांशु कोटक, मोर्ने मोर्केल और रेयान टेन डोएशेट ने अस्थायी रूप से कोचिंग का कार्यभार संभाल लिया है।

इंट्रा-स्क्वाड मैच खेल रही है टीम इंडिया

टीम इंडिया बेकेनहैम में इस समय ट्रेनिंग ले रही है और इंडिया ए के खिलाफ इंट्रा-स्क्वाड मैच खेल रही है। इंट्रा-स्क्वाड मैच की बात करें तो इंडिया ए के लिए सरफराज खान ने जोरदार शतक जड़ा। उन्हें इस शतक के दम पर सिलेक्टर्स की टेंशन बढ़ा दी है, क्योंकि करुण नायर ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले मैच में दोहरा शतक बनाया था।

२० जून से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज

टीम इस मैच के बाद लीड्स के लिए रवाना होगी, जहां २० जून से पहला टेस्ट मैच शुरू होगा। टीम इंडिया इस सीरीज के साथ ही इंग्लैंड में १८ साल से टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाने का सूखा खत्म करना चाहेगी। भारत ने आखिरी बार इंग्लैंड की धरती पर साल २००७ में जीत हासिल की थी, जब टीम ने राहुल द्रविड़ की अगुवाई में इंग्लैंड को तीन मैचों की सीरीज में १-० से हराया था।

छोटी खबरें

बीसीसीआई ने भारतीय घरेलू क्रिकेट ढांचे में बड़े बदलावों का किया ऐलान

मुंबई,15 जून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025-26 घरेलू सत्र के लिए ढांचे में अहम बदलाव किए हैं और नए सत्र का पूरा कार्यक्रम भी जारी कर दिया है।

बीसीसीआई के मुताबिक अब दलीप ट्रॉफी एक बार फिर क्षेत्रीय टीमों के बीच खेली जाएगी, जिनका चयन जोनल चयनकर्ता करेंगे।

वहीं, रणजी ट्रॉफी में प्लेट और एलीट ग्रुप से सिर्फ एक-एक टीम को पदोन्नत और अवनत किया जाएगा। यह कदम घरेलू क्रिकेट को और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए उठाया गया है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अब नॉकआउट की जगह सुपर लीग स्टेज होगा। ग्रुप स्टेज से क्वालीफाई करने वाली 8 टीमें 2 ग्रुप-ए और बी में बांटी जाएंगी। हर ग्रुप में 4 टीमें होंगी और सभी एक-दूसरे से मैच खेलेंगी। दोनों ग्रुप की शीर्ष टीमें सीधे फाइनल खेलेंगी। यही नया प्रारूप सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी में भी लागू होगा।

बीसीसीआई का मकसद खिलाडि?ों को ज्यादा मुकाबले खेलने का मौका देना है। विजय हजारे ट्रॉफी, सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी और पुरुष अंडर-23 स्टेट- ए ट्रॉफी में अब टीमों को पिछले साल की तरह नहीं बांटा जाएगा। 2024-25 तक इन टूनार्मेंटों में 8-8 टीमों के 3 और 7-7 टीमों के दो ग्रुप होते थे, लेकिन अब से 4 एलीट समूह और एक प्लेट समूह बनाया गया है। टीमों को उनके अंक, जीत और नेट रन रेट जैसे पैमानों पर रैंक करके इन समूहों में रखा गया है।

जिन टीमों की रैंकिंग अंक, जीत और नेट रन रेट जैसे पैमानों पर सबसे कम रहती है, उन्हें सीमित ओवरों के टूनार्मेंट में सीधे प्लेट समूह में भेजा जाएगा। नया घरेलू सत्र 28 अगस्त 2025 से दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू होगा और 3 अप्रैल 2026 को सीनियर महिला अंतर-क्षेत्रीय मल्टी-डे ट्रॉफी के साथ समाप्त होगा।

बीसीसीआई का यह सत्र लगभग 5 महीने लंबा होगा और पूरे देश में विभिन्न मैदानों पर आयोजित किया जाएगा।

हाउसफुल 5 बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 8: अक्षय कुमार की फिल्म ने पहले ही हफ्ते में तोड़ा दम, सिंगल डिजीट में पहुंची कमाई

हैदराबादः हैदराबादः तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित हाउसफुल 5 दुनियाभर के सिनेमाघरों में 6 जून को रिलीज हुई. फिल्म ने चार दिनों में ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था लेकिन अब इसकी कमाई थोड़ी धीमी हो गई है. फिल्म वर्ल्डवाइड 200 करोड़ के करीब पहुंच गई है, वीकेंड पर फिल्म ये आंकड़ा पार कर सकती है. हालांकि एक हफ्ता पूरा होते-होते फिल्म की कमाई सिंगल डिजिट पर आ गई है. जानें फिल्म की आठवें दिन की कमाई. मीडिया ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन स्टारर हाउसफुल 8 का एक हफ्ते का घरेलू कलेक्शन 127 करोड़ हो गया है. वहीं वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो इसका आंकड़ा मेकर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है. जिसके मुताबिक फिल्म का एक हफ्ते का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 191.73 करोड़ हो गया है. सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने आठवें दिन अब तक सिर्फ 6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. इसके साथ ही टोटल कलेक्शन 133.25 करोड़ हो गया है. कमाई में गिरावट के बीच, सफल हाउसफुल सीरीज की पांचवीं किस्त ने 8वें दिन हिंदी में 11.71 प्रतिशत की कमाई दर्ज की. मॉर्निंग शोज की ऑक्यूपेंसी 5.51 प्रतिशत और नाइट शो की ऑक्यूपेंसी 16.85 प्रतिशत रही.

---------------------------- व्यापार/फिल्म ----------------------------

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है भिंडी, जानिए इसके फायदे

भिंडी एक ऐसी सब्जी है, जो न केवल स्वाद में लाजवाब है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो हमारे शरीर को कई तरह के लाभ प्रदान कर सकते हैं। यह सब्जी खासतौर पर मधुमेह और पाचन समस्याओं से ग्रस्त लोगों के लिए बहुत फायदेमंद होती है।

आइए जानते हैं कि भिंडी को अपनी डाइट में शामिल करने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

मधुमेह के स्तर को नियंत्रित रखने में है सहायक

मधुमेह एक गंभीर बीमारी है, जिससे लाखों लोग प्रभावित होते हैं। भिंडी का सेवन मधुमेह के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है।

इसमें मौजूद कुछ खास तत्व इंसुलिन के स्तर को संतुलित रखने में सहायक होते हैं। इसके अलावा भिंडी में मौजूद फाइबर रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखने में भी मदद करता है। इसलिए मधुमेह रोगियों के लिए भिंडी को अपनी डाइट में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में है मददगार

भिंडी फाइबर का अच्छा स्रोत होने के कारण पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में मदद कर सकती है।

इसमें मौजूद फाइबर भोजन को आसानी से पचाने में सहायक होता है, जिससे कब्ज, गैस जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

इसके अलावा भिंडी में मौजूद तत्व पाचन तंत्र को मजबूती देते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं। इसलिए रोजाना थोड़ी मात्रा में भिंडी का सेवन करने से पाचन क्रिया बेहतर रहती है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

भिंडी का सेवन दिल के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व दिल की बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित रखते हैं। इसके अलावा भिंडी में मौजूद फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, जिससे दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम होता है।

भिंडी में पोटेशियम भी होता है, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक होता है।

त्वचा की समस्याओं को करता है दूर

भिंडी में विटामिन-सी की भरपूर मात्रा होती है, जो त्वचा की समस्याओं जैसे मुंहासे, दाने आदि को दूर करने में मदद करता है।

विटामिन-सी त्वचा को निखार देने के साथ-साथ उसे स्वस्थ बनाए रखने में भी सहायक होता है।

इसके अलावा भिंडी में मौजूद तत्व त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से बचाते हैं और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं।

बालों की गुणवत्ता में सुधार करने में है सक्षम

बालों की गुणवत्ता सुधारने के लिए भी भिंडी बहुत उपयोगी साबित हो सकती है।

इसमें मौजूद विटामिन्स बालों की जड़ों तक पहुंचते हुए उन्हें मजबूती देते हैं, जिससे बाल टूटते नहीं हैं।

इसके अलावा यह बालों की लंबाई बढ़ाने में मददगार होता है। भिंडी में मौजूद फाइबर बालों की जड़ों तक पहुंचते हुए उन्हें पोषण प्रदान करता है, जिससे बाल स्वस्थ रहते हैं।

बॉक्स ऑफिस से लेकर टीवी तक छाया पुष्पा 2: द रूल, अल्लू अर्जुन का दबदबा बरकरार!

अल्लू अर्जुन वाकई में आज की तारीख में सबसे बड़े सुपरस्टार हैं. नेशनल अवॉर्ड जीतने से लेकर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने तक, उन्होंने हर मोर्चे पर अपनी बादशाहत साबित कर दी है. पुष्पा 2: द रूल की जबरदस्त कामयाबी से उन्होंने सिनेमाघरों में तूफान खड़ा कर दिया, और अब टीवी पर भी उनका जलवा बरकरार है , जहाँ उन्होंने 5.1 की शानदार टीवीआर रेटिंग के साथ टॉप पोजिशन हासिल की है.

बड़े पर्दे पर रिकॉर्ड तोड़ ब्लॉकबस्टर. छोटे पर्दे पर भी रिकॉर्डतोड़ धमाका,पुष्पा2दरूल (हिंदी) ने मचाया रिकॉर्डतोड़ धमाल झ 5.1 टीवीआर के साथ 5.4 करोड़ लोगों तक पहुंच! आइकॉनिक रूल अब भी जारी है. अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2: द रूल ने एक और रिकॉर्ड तोड़ दिया है, और इस बार मुकाबले में सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर को भी पीछे छोड़ दिया है. 5.1 की जबरदस्त टीवीआर रेटिंग के साथ फिल्म ने देश की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली टी20 लीग को भी मात दे दी, जिसकी एवरेज रेटिंग 3.9 रही. यह वाकई फिल्म की जर्नी का बेहद खास मुकाम है. यह अल्लू अर्जुन के जादू की ताकत है, जो हर प्लेटफॉर्म पर

रोजाना कुछ मिनट जरूर करें बर्पी एक्सरसाइज, मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

बर्पी एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो आपको बिना किसी उपकरण के फिट रख सकती है। यह एक पूरी शरीर की एक्सरसाइज है, जिसे करने से आपका शरीर मजबूत होता है और कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। इसे करने से न केवल आपका वजन नियंत्रित रहता है, बल्कि आपकी सहनशक्ति भी बढ़ती है।

इस लेख में हम आपको बर्पीज के फायदे बताएंगे, जिससे आप इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित हो सकें।

वजन नियंत्रित करने में है सहायक

बर्पीज एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो पूरे शरीर को प्रभावित करती है। इसे करने से कैलोरी बर्न होती है, जिससे वजन नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

रोजाना 10-15 मिनट बर्पीज करने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है और शरीर की चर्बी घटती है। यह एक्सरसाइज खासतौर पर पेट की चर्बी कम करने में बहुत प्रभावी होती है। इसके नियमित अभ्यास से आपका शरीर सुडौल होता है और आप फिट महसूस करते हैं।

सहनशक्ति बढ़ाने में है मददगार

बर्पीज करने से आपकी सहनशक्ति बढ़ती है। इसे करने से

दिल की धड़कन तेज होती है, जिससे दिल मजबूत होता है और फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है।

नियमित रूप से बर्पीज करने से शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ती है, जिससे थकान कम होती है और ऊर्जा स्तर ऊंचा रहता है।

यह एक्सरसाइज न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत बनाती है, जिससे आप अधिक सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करते हैं।

मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने में है सहायक

बर्पीज करते समय हाथों, पैरों और पेट की मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं, जिससे ये मजबूत होती हैं।

इस एक्सरसाइज के दौरान शरीर के कई हिस्से एक साथ काम करते हैं, जिससे मांसपेशियों को संतुलित विकास मिलता है। नियमित रूप से बर्पीज करने से शरीर की ताकत और सहनशक्ति बढ़ती है। यह एक्सरसाइज न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत बनाती है, जिससे आप अधिक सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करते हैं।

दिल के स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

बर्पीज एक कार्डियोवैस्कुलर एक्सरसाइज है, जो दिल को स्वस्थ रखने में मदद करती है। इसे करने से रक्त प्रवाह बेहतर होता है और रक्तचाप नियंत्रित रहता है।

नियमित रूप से बर्पीज करने से दिल की धड़कन तेज होती है, जिससे दिल मजबूत होता है और फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है।

यह एक्सरसाइज न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत बनाती है, जिससे आप अधिक सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करते हैं।

लचीलेपन को बढ़ावा देने में है सहायक

एडीईओ की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

रायपुर। व्यापम द्वारा सहायक विकास विस्तार अधिकारी (एडीईओ) की परीक्षा 15 जून को आयोजित हुई। इस परीक्षा में रायपुर जिले में 95 परीक्षा केंद्र बनाए गए जिसमें कुल 38673परीक्षार्थी में से 25815 उपस्थित हुए परीक्षा शांति पूर्ण सम्पन्न हुई।

न्यूज गैलरी

खुशखबरी...क्रिकेट प्रेमियों को फिर मिलेंगे इंटरनेशनल मैच देखने का अवसर

रायपुर। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम को चौथी बार अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी मिल गई है। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद न्यूजीलैंड की टीम जनवरी में भारत के दौरे पर आ रही है। दौरे में न्यूजीलैंड तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेलेगा, जो अलग-अलग वेन्यू में होंगे।
बता दें बीसीसीआई कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया ने जब पद संभाला था तभी कहा था कि उनकी पूरी कोशिश होगी रायपुर के स्टेडियम में इंटरनेशनल मैच का आयोजन हो और छत्तीसगढ़ के क्रिकेट प्रेमी इसका आनंद उठा सकें। उनके प्रयास से शेड्यूल में आखिर यह मैच भी जुड़ गया। जानकारी के अनुसार रायपुर में क्रिकेट मैच के आयोजन के लिए बीसीसीआई ने वेन्यू फाइनल कर लिया है। आगामी दिनों में भारत और न्यूजीलैंड के बीच क्रिकेट मैच की श्रृंखला होनी है,जारी शेड्यूल के अनुसार भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी 20 मैच 23 जनवरी 2026 को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं, इससे पहले वीर नारायण सिंह स्टेडियम में दक्षिण आफ्रीका और भारत के बीच तीन वनडे और दो टी20 मैचों की प्रतियोगिता होनी है। इस सीजरी का दूसरा वनडे मैच 3 दिसंबर को खेला जाना है, जिसका आयोजन शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में ही होना है। इंटरनेशनल मैच आयोजन किया जाना क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है।

सात दिनी योग महोत्सव का आज से हुआ शुभारम्भ, योग आयोग के अध्यक्ष, पुलिस महानिदेशक और कुलपति सहित हजारों लोग हुए शामिल

00 योग जीवन जीने की कला है - सिन्हा, 00 जल और धरती का सम्मान करना सीख जाएं तो जीवन संवर जाएगा - गौतम
00 योग दिवस मनाने से भारतीय दर्शन की श्रेष्ठता पूरे विश्व पटल पर अंकित - प्रो. शुक्ला

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आज से सात दिवसीय योग महोत्सव का शुभारम्भ छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा, पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानन्द शुक्ला, ब्रह्माकुमारी सविता दीदी, नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो के अधीक्षक अनिल कुमार, भारतीय योग संस्थान के अध्यक्ष मुकेश सोनी और ब्रह्माकुमारी चन्द्रकला दीदी ने दीप प्रज्वलित करके किया।

इस अवसर पर बोलते हुए छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा ने कहा कि योग जीवन जीने की कला है। मन को शान्त रखने का सर्वश्रेष्ठ उपाय है योग। उन्होंने योग के विषय -एक धरती और एक स्वास्थ्य के लिए योग की चर्चा करते हुए कहा कि सूर्य न हों, पेड़ न हों तो हमारा जीवन भी नहीं रहेगा। हमारी भारतीय संस्कृति श्रेष्ठ और गौरवमयी है। यह सबको जोडने. वाली है। छिनने वाली नहीं बल्कि बाँटकर खाने वाली संस्कृति है। पूरे विश्व में सिर्फ हमने अपने देश को माता माना है। माँदेने वाली होती है। सभी सुखी हों और सबका मंगल हो यही हमारी संस्कृति है। हम पूरे विश्व को अपना परिवार मानकर चलते हैं। मनुष्य स्वस्थ रहे और प्रकृति ठीक रहे यही कामना है। उन्होंने बतलाया कि ऋषि माना रिसर्च करने वाला।
पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम ने कहा कि जब हम हम व्यायाम करते हैं तो स्वयं को प्रकृति और शरीर के साथ जोड़ते हैं। योग करने से अच्छा स्वास्थ्य मिलता है। मन से जुड़ते हैं तो मन को शान्ति मिलती है। राजयोग में आत्मा का परमात्मा से सम्बन्ध जोड़ते हैं तो शरीर और प्रकृति दोनों को फायदा मिलता है। हम जल और धरती का सम्मान करना सीख जाएं तो पर्यावरण सुधरेगा और फलस्वरूप हमारा जीवन भी संवर जाएगा। हम सुख-शान्ति से जीवन यापन कर सकेंगे। जीवन में सन्तुलन जरूरी है।
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानन्द शुक्ला ने कहा कि जिस दिन प्रणानमंत्री की सलाह मानकर संयुक्त राष्ट्र संघ ने योग दिवस मनाने की घोषणा की उस दिन सारे विश्व में भारतीय दर्शन की श्रेष्ठता विश्व पटल पर स्थापित हुई। पूरे वर्ष में 21 जून का दिन सबसे बड़ा होता है इसलिए इस दिन को योग दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि योग जीवन्तता का प्रतीक है। यह जीवन की उर्जा को बढ़ाने वाला है। भारतीय दर्शन सर्व के सुख की कामना करता है। इस वर्ष उनके वि.वि. में योग की मास्टर डिग्री के साथ ही पी.एच.डी. की पढ़ाई भी शुरू होने जा रही है।
ब्रह्माकुमारी संस्थान की रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने बतलाया कि योग शब्द का अर्थ होता है जोडना। अध्यात्म के सन्दर्भ में आत्मा का सम्बन्ध परमात्मा से जोडना ही सच्चा योग है। उन्होने आगे कहा कि योग दिवस मनाने से लोगों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने नकारात्मक और व्यर्थ विचारों से बचने की सलाह देते हुए कहा कि इससे आत्मा की शक्तिनष्ट होती है। अन्त में उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों को राजयोग का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया।
समारोह को सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक हरीलाल, भारतीय योग संस्थान के अध्यक्ष मुकेश सोनी और वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी चन्द्रकला दीदी ने भी सम्बोधित किया। प्रारम्भ में छत्तीसगढ़ योग आयोग के मुख्य प्रशिक्षक छबिलाल साहू और श्रीमती ज्योति साहू की टीम ने अर्धचक्रासन, ताड़ासन, पाद हस्तासन और त्रिकोणासन सहित कुछ प्राणायाम जैसे कि कपालभाँति, अनुलोम-विलोम तथा सिपली प्राणायाम का लोगों को अभ्यास कराया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा, कुलपति प्रो. सच्चिदानन्द शुक्ला, नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो के अधीक्षक अनिल कुमार, मुख्य प्रशिक्षक छबिराम साहू और भारतीय योग संस्थान के अध्यक्ष मुकेश सोनी को शॉल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

सूर्या माल और उसके आसपास कुल 8 स्पा सेंटर्स पर एक साथ छापा

00 पुलिस ने 10 लड़कियों और 3 युवकों को हिरासत में लिया

भिलाई। भिलाई में स्पा सेंटरों की आड़ में चल रहे देह व्यापार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस की टीम ने शनिवार रात सूर्या माल और उसके आसपास कुल 8 स्पा सेंटर्स पर एक साथ रेड डाली। इस दौरान तीन स्पा सेंटर्स में अनैतिक गतिविधियां करते हुए पुलिस ने 10 लड़कियों और 3 युवकों को रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इनके पास से कई आपत्तिजनक वस्तुएं, ग्राहकों की सूची, रजिस्टर और डिजिटल सबूत भी बरामद किए गए हैं। इसे लेकर स्थानीय नागरिकों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि स्पा सेंटरों की आड़ में महीनों से यह गोरखधंधा चल रहा था, लेकिन स्थानीय प्रशासन की चुप्पी ने शक पैदा किया था। अब पुलिस की कार्रवाई के बाद उम्मीद है कि इस तरह के सेंटरों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल के निर्देश पर जिले भर में अवैध गतिविधियों पर सख्ती से नजर रखी जा रही है। एएसपी पद्मश्री तंवर को गुप्त सूचना मिली थी कि सूर्या माल स्थित कुछ स्पा सेंटर्स में लंबे समय से सेक्स रैकेट चल रहा है। इस पर उन्होंने एक विशेष टीम गठित कर स्मृति नगर चौकी पुलिस और महिला बल के सहयोग से शनिवार रात एक साथ 8 जगहों पर रेड की। पुलिस ने सूर्या माल के अंदर और आसपास मौजूद कुल 8 स्पा सेंटर्स में छापेमारी की, जिनमें से 3 सेंटरों में सेक्स रैकेट की पुष्टि हुई। बाकी 5 सेंटरों में कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली, आशंका जताई जा रही है कि उन्हें रेड की भनक पहले ही लग गई थी। पुलिस को मौके से कंडोम, आपत्तिजनक दवाइयां, क्लाइंट डिटेल्स से जुड़ी डायरी, सीसीटीवी फुटेज और अन्य सामग्री भी बरामद हुई।

आदिवासी समाज के स्वाभिमान और विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएगा चरण पादुका योजना- मरकाम

00 विकास के लिए प्रतिबद्ध सरकार का एक ठोस कदम है

रायपुर। अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चरण पादुका योजना के पुनः प्रारंभ किए जाने पर सराहना करते हुए कहा माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की सुशासन सरकार, आदिवासी हितैषी सरकार ने तेंदूपत्ता संग्राहकों के कल्याण हेतु एक बार फिर चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ करने की घोषणा की है। यह योजना भारतीय जनता पार्टी के संकल्पपत्र 'मोदी की गारंटी' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे पूरा करके हमारी सरकार ने आदिवासी समाज के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को सिद्ध किया है।
चरण पादुका योजना का उद्देश्य तेंदूपत्ता संग्राहकों, विशेषकर आदिवासी समुदाय के लोगों को जंगलों में कार्य के दौरान सुरक्षा और सुविधा प्रदान करना है। यह योजना न केवल उनके पैरों को चप्पलों के माध्यम से सुरक्षा प्रदान करती है, बल्कि उनके स्वाभिमान को भी बढ़ाती है। यह आदिवासी समाज के विकास के लिए प्रतिबद्ध सरकार का एक ठोस कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि समाज का प्रत्येक वर्ग विकास की मुख्यधारा में शामिल हो।
पूर्व में कांग्रेस सरकार द्वारा इस महत्वपूर्ण योजना को बंद करना आदिवासी समाज के प्रति उनकी उदासीनता का प्रतीक था। इसके विरुद्ध हमने भाजपा अजजा मोर्चा के माध्यम से शसक्त आंदोलन भी किया, ताकि इस योजना को पुनः शुरू करने की मांग को बल मिले। साथ ही, भाजपा के घोषणा पत्र समिति को इस योजना को शामिल करने हेतु हमने सुझाव भेजे थे, जो 'मोदी की गारंटी' के रूप में जनता के सामने प्रस्तुत हुआ। आज, माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में यह वादा पूरा होने से आदिवासी स्वाभिमान को नया बल मिला है। यह योजना तेंदूपत्ता संग्राहकों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह आदिवासी हितैषी सरकार की उस सोच को दशार्ता है, जिसमें प्रत्येक आदिवासी परिवार की खुशहाली और आत्मनिर्भरता सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र को साकार कर रही है।
हमारी सरकार ने न केवल चरण पादुका योजना को पुनर्जनन दिया, बल्कि तेंदूपत्ता संग्रहण की दर को 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा करने, पीएम वन धन केंद्र और आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय जैसे कदमों के माध्यम से आदिवासी समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया है। यह सुशासन सरकार का परिचायक है, जो पारदर्शिता, जवाबदेही और जनकल्याण के प्रति समर्पित है। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने 'मोदी की गारंटी' को साकार कर आदिवासी समाज के स्वाभिमान और विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

बच्चों ने लिया संकल्प - चातुर्मास में धर्म आराधना से जुड़ेंगे, साधु साध्वियों के सानिध्य में करेंगे धार्मिक अनुष्ठान

रायपुर। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी , भैरव सोसायटी में आज प्रातः से ही बच्चों ने आगामी चातुर्मास में धर्म आराधना से जुड? का संकल्प लिया , पूर्वाभ्यास के रूप में जिनपुजन व गुरुवंदना का अभ्यास भी किया। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि आगामी 9 जुलाई से जैन धर्म का चातुर्मास आरम्भ होने जा रहा है। जैन धर्म में भगवान महावीर स्वामी ने चतुर्विध संघ के लिए वषार्वास के चार माह एक स्थान में रहकर धार्मिक क्रियाओं में जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त किया है। जैन साधु साध्वियों के लिए चातुर्मास काल में निश्चित सीमा के बाहर विचरण प्रतिबंधित रहता है। एक नगर में रहकर स्वयं भी साधना करना है व जनसमुदाय को धार्मिक अनुष्ठान से जोड?ा होता है। राजधानी रायपुर में इस वर्ष जैन दादाबाड़ी एम जी रोड़ में जैन साध्वी श्री हँसकीर्ति श्री जी , ज्ञानवल्लभ उपाश्रय विवेकानंद नगर में उपाध्याय श्री महेन्द्र सागर जी , महावीर जिनालय न्यू राजेन्द्र नगर में उपाध्याय श्री मनीष सागर जी , हिरसूरी भवन भैरव सोसायटी में श्री प्रियदर्शी विजय जी गुरुभगवंतों का चातुर्मास होगा। चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में आज बच्चों ने चातुर्मास में विराजमान साधु संतों के सानिध्य में धर्म आराधना करने का निश्चय दोहराया है। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में चातुर्मास आरम्भ 9 जुलाई बुधवार गुरुपूर्णिमा 10 जुलाई गुरुवार 21 दिवसीय दादागुरुदेव इक्तिसा जाप सोमवार 28 जुलाई से 17 अगस्त रविवार तक ,पर्युषण पर्व 20 अगस्त बुधवार से प्रारंभ 24 अगस्त रविवार महावीर जन्मवांचन , 27 अगस्त बुधवार संवत्सरी महापर्व मनाया जाएगा।

मान देशी फाउंडेशन और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन नक्सल प्रभावित क्षेत्र में खेल संस्कृति और प्रतिभा को बढ़ावा देने करेगा 50 खेल मैदान विकसित

दंतेवाड़ा। जिले में नक्सलियों का प्रभाव धीरे-धीरे कम हो रहा है इसलिए प्रशासन ने मान देशी फाउंडेशन और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के साथ मिलकर 'मैदान कप' की शुरूआत की है। इसके तहत दंतेवाड़ा में खेल संस्कृति और प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए 50 खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे। दंतेवाड़ा के कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बताया, "इस परियोजना के तहत सामुदायिक भागीदारी से अब तक जिले में कम से कम 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं और अक्टूबर तक लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा।"

पिछले साल राज्य सरकार ने बस्तर क्षेत्र के दंतेवाड़ा और छह अन्य जिलों की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया था। इसका उद्देश्य नक्सल प्रभावित और संवेदनशील जिलों की खेल प्रतिभाओं को खेलों के माध्यम से दुनिया से जोड?ा था। इसी तर्ज पर हमने सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन के सहयोग से खेल प्रतिभाओं को और बढ़ावा देने के लिए बच्चों और युवाओं को समर्पित खेल के मैदान उपलब्ध कराने के लिए मैदान कप शुरू करने का फैसला किया। दुदावत ने कहा कि पहले चरण में 50 गांवों में इतने ही खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे और अगले चरण में इसे पूरे जिले में दोहराया जाएगा।13 विभिन्न खेलों की सुविधाओं के साथ 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं जिनमें रनिंग ट्रैक, गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का, लंबी कूद, वॉल क्लाइंबिंग आदि शामिल हैं।
उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्वयं भी खेल के मैदानों का निर्माण कर सकता था लेकिन विचार यह था कि युवाओं और बच्चों को आकर्षित करने के लिए समुदाय और सचिन तेंदुलकर जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों को इसमें शामिल किया जाए। हम चाहते हैं कि अगला सचिन तेंदुलकर, नीरज चोपड़ा और पीटी उषा बस्तर से आएं। इस पहल के तहत अपने क्षेत्रों में खेल के बेहतरीन मैदान विकसित करने वाली पंचायतों को स्केटिंग पार्क से पुरस्कृत किया जाएगा।
उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एक आवासीय खेल शहर भी बना रहा है जहां क्षेत्र के पदक जीतने की क्षमता वाले शीर्ष खिलाडि?ों को विशेष प्रशिक्षण मिलेगा। इस खेल शहर में क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी के मैदान, स्विमिंग पूल और अन्य खेल सुविधाएं होंगी।

छत्तीसगढ़ की शिक्षा में एक साहसिक छलांग, कोई भी स्कूल अब शिक्षक विहीन नही

00 एकल शिक्षकीय स्कूलों में 80 फीसद की गिरावट
00 10,372 स्कूलों का एकीकरण, शिक्षकों का व्यापक युक्तियुक्तकरण
00 छात्रों को मिलेगी बेहतर शैक्षणिक सुविधा

रायपुर। राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की एक व्यापक और सार्थक पहल की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधानों के अनुरूप मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में यह दूरगामी सुधार, वास्तव में राज्य की शिक्षा व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने और लंबे समय से चली आ रही शैक्षिक विसंगतियों के समाधान का कारगर प्रयास है।
युक्तियुक्तकरण से पहले, छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण अंचल की शालाओं में शिक्षकों की कमी, नगरीय इलाकों और उसके समीप की शालाओं में जरूरत से ज्यादा शिक्षकों की पदस्थपना के कारण शिक्षा प्रभावित हो रही थी और इसका असर बच्चों के परीक्षा परिणाम पर भी पड़ रहा था। राज्य के लगभग 212 प्राथमिक शालाएं और 48 पूर्व माध्यमिक शालाएं पूरी तरह से शिक्षक विहीन थीं, जबकि 6,872 प्राथमिक शालाएं और 255 पूर्व माध्यमिक शालाएं केवल एक शिक्षक के साथ संचालित हो रही थीं। इसके अतिरिक्त 211 शालाएं ऐसी थीं जहाँ छात्र संख्या शून्य थी, लेकिन शिक्षक पदस्थ थे। इसके अलावा, 166 शालाओं को समायोजित किया गया, इसमें ग्रामीण क्षेत्रों की 133 शालाएं शामिल थीं, जिनकी दर्ज संख्या 10 से कम थी और दूरी 1 किमी से कम थी, तथा शहरी क्षेत्रों की 33 शालाएं थीं, जिनकी दर्ज संख्या 30 से कम थी और दूरी 500 मीटर से कम थी। इन चुनौतियों के बावजूद, छत्तीसगढ़ का छात्र-अध्यापक अनुपात (पीटीआर) राष्ट्रीय औसत से उल्लेखनीय रूप से बेहतर था, प्राथमिक शालाओं के लिए पीटीआर-20 था, जबकि राष्ट्रीय औसत 29 है और पूर्व माध्यमिक शालाओं के लिए पीटीआर-18 था, जबकि राष्ट्रीय औसत 38 है। हालांकि, वितरण असमान था। राज्य में लगभग 17,000 प्राथमिक शालाएं और लगभग 4,479 पूर्व माध्यमिक शालाएं थीं, जिनका पीटीआर-20 से कम था। अकेले शहरी क्षेत्रों में 527 ऐसे विद्यालय थे, जिनका पीटीआर-10 से कम था, जिनमें 15 या उससे अधिक शिक्षकों वाली 08 प्राथमिक शालाएं, 10-15 शिक्षकों वाली 61 शालाएं और 6-9 शिक्षकों वाली 749 प्राथमिक शालाएं थीं, ये आंकड़े बेहतर संसाधन आवंटन की जरूरत को दशार्ते हैं। इस पहल का मुख्य बिंदु एक ही परिसर में संचालित लगभग 10 हजार 372 शालाओं का एकीकरण था, जिनमें प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल शामिल थे। इस विलय से कई लाभ मिलने की उम्मीद है, जिनमें शाला त्यागी छात्रों की संख्या में कमी और छात्रों को बार-बार स्थानांतरण प्रमाण पत्र लेने की आवश्यकता का समाप्त होना शामिल है। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, छोटी कक्षाओं के छात्रों को बड़ी कक्षाओं के छात्रों का सहयोग प्राप्त होने, और कंप्यूटर, विज्ञान प्रयोगशाला, खेल-कूद तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से शैक्षणिक समझ और अभिरुचि में वृद्धि के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होगा। इस दृष्टिकोण से प्रशासनिक व्यवस्था भी सुदृढ़ होगी।

विद्यालयों के समायोजन के साथ-साथ, जिला, संभाग और राज्य स्तर पर काउंसलिंग के माध्यम से एक महत्वपूर्ण शिक्षक युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया भी की गई। इस प्रक्रिया के तहत जिला स्तर पर लगभग 13 हजार 793 शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया। संभाग स्तर पर 863 का और राज्य स्तर पर 105 शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया। युक्तियुक्तकरण अभियान के प्रारंभिक परिणाम अत्यधिक आशाजनक हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शिक्षा विभाग का कहना है कि कोई भी विद्यालय बंद नहीं किया जा रहा है और कोई भी शिक्षक पद समाप्त नहीं हो रहा है। इसके बजाय ध्यान बेहतर अधोसंरचना वाले विद्यालयों का संचालन सुनिश्चित करने पर है। युक्तियुक्तकरण के पश्चात राज्य में शिक्षक विहीन विद्यालयों की संख्या शून्य हो गई है। एकल शिक्षकीय शालाओं की संख्या में प्रभावशाली 80 प्रतिशत की कमी आई है अब लगभग 1,200 शालाएं एकल शिक्षकीय हैं। एक ही परिसर में स्थित 10,372 विद्यलायों का एकीकरण और 166 ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों का समायोजन पूरा हो चुका है। इससे लगभग 89 प्रतिशत विद्यार्थियों को बार-बार प्रवेश प्रक्रिया से मुक्ति मिलेगी। छात्रों को अतिरिक्त शिक्षक उपलब्ध होंगे और विद्यालय की समय सारिणी एवं अन्य गतिविधियों में अधिक एकरूपता रहेगी। इस पहल का उद्देश्य उपचारात्मक शिक्षण द्वारा छात्रों की समझ को बेहतर बनाना भी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू कर-के, छत्तीसगढ़ न केवल वर्तमान कमियों को दूर कर रहा है, बल्कि एक ऐसे भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रख रहा है। जहाँ प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच प्राप्त होगी, जिससे समग्र विकास और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा मिलेगा। युक्तियुक्तकरण का यह कदम एक अधिक कुशल, न्यायसंगत और प्रभावी शैक्षिक वातावरण बनाने के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित ◘ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर05/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com